संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 329
पृष्ठ 8
शनिवार
23 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आंखों में दिखता है लिवर गलने...
विचार- लोकतंत्र खत्म करने का नया पैंतरा
खेल- एशिया कप टी20 के सात अन्य...

आरजेडी का भ्रष्टाचार सबको पता है, गयाजी में बोले पीएम मोदी- लालटेन राज में अंधेरे में डूबा था बिहार

गयाजी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार के गयाजी में देश को एक पूरे हुए संकल्प की याद दिलाई। उन्होंने बताया कि कैसे भारतीय सेना ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकवादियों का सफाया कर दिया। कई परियोजनाओं का शुभारंभ करने के तुरंत बाद एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए, प्रधानमंत्री ने बिहार को ष्चाणक्य और चंद्रगुप्त मौर्य की भूमिष कहा और कहा कि बिहार की धरती पर लिए गए सभी संकल्प समय पर पूरे होते हैं। इसके साथ ही मोदी ने विपक्ष पर जमकर निशान साधा। मोदी ने कहा कि बिहार का तेज विकास, केंद्र की एनडीए सरकार की बहुत बड़ी प्राथमिकता है। इसलिए आज बिहार चौतरफा विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। बीते वर्षों में पुरानी समस्याओं के समाधान तलाशे गए हैं और नई प्रगति के रास्ते बनाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि आप याद कीजिए, लालटेन राज में यह क्षेत्र लाल आतंक में जकड़ा हुआ था। माओवादियों की वजह से शाम के बाद कहीं आना-जाना मुश्किल हो जाता था। गया जी जैसे शहर लालटेन राज में अंधेरे में डूबे रहते थे। हज़ारों गांव ऐसे थे जहां बिजली के खंभे तक नहीं पहुंचे थे। लालटेन राज ने पूरे बिहार के भविष्य को अंधेरे में धकेल दिया था। न शिक्षा थी, न रोजगार... बिहार की कितनी ही पीढ़ियों को इन लोगों ने बिहार से पलायन के लिए मजबूर कर दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार के लोगों को आरजेडी और उनके साथी सिर्फ अपना वोट बैंक मानते थे। उन्हें गरीब के सुख-दुख, गरीब के मान-सम्मान से कोई मतलब नहीं था। आपको याद होगा कि कांग्रेस के एक मुख्यमंत्री ने मंच से कह दिया था कि अपने राज्य में बिहार के लोगों को घुसने नहीं देंगे। बिहार के लोगों से कांग्रेस की इतनी नफरत३ कोई भूल नहीं सकता, कांग्रेस का बिहार के लोगों के प्रति दुर्व्यवहार देखने के बावजूद भी यहां आरजेडी वाले सोए पड़े थे। अपना हमला जारी रखते हुए मोदी ने कहा कि हमारे देश में चाहे कांग्रेस हो या आरजेडी, इनकी सरकारों ने कभी जनता के पैसों का मोल नहीं समझा३ इनके लिए जनता के पैसों का मतलब सिर्फ अपनी तिजोरी भरना रहा है। इसी वजह से इनकी सरकारों में सालों-साल तक परियोजनाएँ पूरी नहीं होती थीं। कोई योजना जितनी लटकती थी, ये उतना ही पैसा उसमें कमा लेते थे। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों में हमारी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी दाग नहीं लगा, जबकि आज़ादी के बाद कांग्रेस की सरकारें जो 60दृ 65 साल तक सत्ता में रहीं, उनके भ्रष्टाचारों की एक लंबी सूची है। मोदी ने कहा कि आरजेडी का भ्रष्टाचार तो बिहार का बच्चा-बच्चा जानता है। मेरा साफ मानना है कि अगर भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाना है, तो कोई भी कार्रवाई से बाहर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में अवैध प्रवासियों की बढ़ती आबादी चिंता का विषय है। बिहार के सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकी तेज़ी से बदल रही है। एनडीए सरकार ने तय किया है कि वह अवैध प्रवासियों को हमारे देश का भविष्य तय नहीं करने देगी। हम प्रवासियों को बिहार के लोगों के रोज़गार छीनने नहीं देंगे... इस खतरे से निपटने के लिए, मैंने एक जनसांख्यिकी मिशन शुरू करने का प्रस्ताव रखा है। यह मिशन जल्द ही अपना काम शुरू कर देगा। हम हर प्रवासी को बाहर निकालेंगे... बिहार के लोगों को देश में इन प्रवासियों के समर्थकों से सावधान रहने की ज़रूरत है... कांग्रेस और राजद तुष्टीकरण और अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए बिहार के लोगों के अधिकार छीनकर उन्हें प्रवासियों को देना चाहते हैं।

जिला मुख्यालयों की नगर पालिकाएं बेहतरीन नगरीय अवस्थापना का मानक बनेंगी : योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिला मुख्यालयों की नगर पालिकाएं बेहतरीन नगरीय अवस्थापना का मानक बनेंगी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योगी ने जिला मुख्यालयों की नगर पालिकाओं को स्मार्ट और विकसित नगर पालिका के रूप में विकसित करने की योजना का शीघ्र क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए हैं। बयान के मुताबिक, लखनऊ में नगर विकास विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि स्मार्ट-विकसित नगर पालिका योजना का उद्देश्य जिला मुख्यालयों की नगर पालिकाओं को आधुनिक, आत्मनिर्भर और नागरिक-केंद्रित नगर पालिका के रूप में विकसित करना है। बयान में कहा गया है कि बैठक में अधिकारियों ने योगी को बताया कि योजना के तहत नगर पालिकाओं में गौरव पथ, पिंक टॉयलेट, शहरी सुविधा केंद्र, स्मार्ट कक्षा एवं आंगनबाड़ी, थीम पार्क, ऐतिहासिक

धरोहर संरक्षण, जलाशयों का जीर्णोद्धार, इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन और डिजिटल सेवाओं जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसमें कहा गया है कि अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को सूचित किया कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए उत्सव भवन, सामुदायिक केंद्र और 'एक जिला, एक उत्पादश आधारित ढांचे भी स्थापित किए जाएंगे। बयान के अनुसार, योगी ने निर्देश दिया कि प्रत्येक नगर पालिका में परियोजनाओं का चयन स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर किया जाए और वित्तीय संसाधनों का आवंटन नगर निकायों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति के अनुसार हो। अधिकारियों ने बताया कि नगर निकायों को चार करोड़ से 10 करोड़ रुपये तक का अनुदान उपलब्ध कराए जाने का प्रस्ताव है, जो उनकी जनसंख्या और कार्यदक्षता पर आधारित होगा। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्देश में मुख्यमंत्री ने सभी नगर निगमों में निवासियों के कर बकाये में विसंगतियों के तत्काल समाधान पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में अभियान चलाकर लोगों से आपत्तियां आमंत्रित की जाएं और समाधान शिविर लगाकर नागरिकों की समस्याओं का उचित निवारण किया जाए।

मतदाता सूची विवाद पर बोली कांग्रेस- लोकतंत्र बच गया

नई दिल्ली। बिहार की मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर नाम काटे जाने (एसआईआर मुद्दे) को लेकर कांग्रेस पार्टी ने आज सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। कांग्रेस ने कहा कि यह फैसला लोकतंत्र पर हुए एक कठोर हमले से देश को बचाने वाला है और चुनाव आयोग (म्ब्) की कार्यप्रणाली को पूरी तरह उजागर कर दिया है। 14 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा था कि काटे गए मतदाताओं की पूरी सूची सार्वजनिक की जाए। इसके साथ ही सूची के साथ-साथ नाम काटने की वजह भी बताई जाए। कोर्ट ने या भी कहा कि जिन

मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, वे आधार कार्ड को पहचान पत्र के तौर पर दिखाकर मतदान कर सकें। आज अदालत ने अपने ही आदेश को दोहराते हुए साफ कहा कि चुनाव आयोग को आधार कार्ड को वैध पहचान पत्र मानना ही होगा। कांग्रेस ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा, श्आज सुप्रीम कोर्ट ने लोकतंत्र को सुरक्षित किया है। चुनाव आयोग ने अब तक बाधा डालने वाली और मतदाताओं के अधिकारों के खिलाफ काम करने वाली भूमिका निभाई थी। लेकिन अब अदालत ने राजनीतिक दलों को भी इस पूरी प्रक्रिया में शामिल करने का रास्ता खोल दिया है। यह एक ऐतिहासिक कदम है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि अब उन्हें एक लागू होने योग्य अधिकार मिल गया है जिसे चुनाव आयोग अनदेखा नहीं कर सकता। कांग्रेस ने सीधे चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा- आज चुनाव आयोग पूरी तरह बेनकाब और बदनाम हो चुका है। उसके पीछे के जी-2 कठपुतली संचालक भी पूरी तरह पराजित हो गए हैं।

जम्मू कश्मीर के कठुआ में तलाश अभियान शुरू

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में दो संदिग्ध व्यक्तियों को देखे जाने की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोगों ने बृहस्पतिवार देर रात जखोल क्षेत्र में दो संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधि की सूचना दी थी, जिसके बाद राजबाग के जुथलबा क्षेत्र में तलाश अभियान शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि संदिग्ध व्यक्तियों का पता लगाने के लिए अभियान जारी है।

आवारा कुत्तों का मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में किया संशोधन, नसबंदी के बाद कुत्तों को छोड़ने की अनुमति दी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों से संबंधित आदेश में संशोधन करते हुए उन्हें नसबंदी और टीकाकरण के बाद सड़कों पर छोड़ने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने कहा कि रेबीज या आक्रामक व्यवहार वाले कुत्तों को नहीं छोड़ा जाएगा। कोर्ट ने आवारा कुत्तों को सार्वजनिक रूप से खाना खिलाने पर भी रोक लगा दी है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट की एक छोटी पीठ, जिसमें जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर महादेवन शामिल थे, ने फैसला सुनाया था कि दिल्ली के सभी इलाकों को ष्आवारा कुत्तों से मुक्तष् किया जाना चाहिए, और आवारा कुत्तों को दोबारा सड़कों पर छोड़ने पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने दिल्ली सरकार को सभी आवारा कुत्तों को हटाने का निर्देश दिया था और किसी भी तरह का समझौता न करने पर ज़ोर दिया था। कोर्ट ने सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखने वाले नसबंदी और टीकाकरण के लिए कर्मचारियों से सुसज्जित डॉग शेल्टर बनाने का आदेश दिया था।

यूएन मिशन में महिलाओं की भागीदारी का भारत प्रबल समर्थक : राजनाथ सिंह

● महिलाओं की उपस्थिति लैंगिक समानता बढ़ाने में मददगार

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र की महिला सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की। इस मुलाकात में राजनाथ सिंह ने यूएन मिशन में में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की सराहना की। रक्षा मंत्री ने ये भी कहा कि भारत, संयुक्त राष्ट्र मिशन में महिलाओं की भागीदारी का प्रबल समर्थक है। संयुक्त राष्ट्र की महिला सैन्य अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आज यहां संयुक्त राष्ट्र के 15 देशों की सैन्य अधिकारियों की उपस्थिति संयुक्त राष्ट्र की एकता और सहयोग की उसकी भावना को दर्शाती है। संयुक्त राष्ट्र ने शांति अभियानों में महिला अधिकारियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए हैं। महिला अधिकारी शांति अभियानों में बहुमूल्य दृष्टिकोण लाती हैं। वे अक्सर स्थानीय समुदायों के साथ गहरा विश्वास बढ़ाने में सक्षम होती हैं और उनकी उपस्थिति यौन हिंसा को रोकने, मानवीय सहायता तक पहुंच में सुधार और लैंगिक समानता को बढ़ाने में मददगार साबित हुई है। महिला शांति सैनिक रोल मॉडल के रूप में काम करती हैं, स्थानीय महिलाओं और लड़कियों को प्रेरित करती हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि श्संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सबसे बड़ा योगदानकर्ता होने के नाते, भारत महिलाओं की भागीदारी और मिशनों में एकीकरण का प्रबल समर्थक रहा है। हमारी विरासत 1960 के दशक में कांगो में महिला चिकित्सा अधिकारियों के साथ शुरू हुई, और आज भी हम लैंगिक असमानताओं को पाटने के लिए ठोस कदम उठा रहे हैं। हम महिला अधिकारियों को शांति अभियानों के लिए तैयार करते हैं, और हम अपने सशस्त्र बलों और शांति अभियानों में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए नीतियों को भी मजबूत कर रहे हैं, ताकि महिलाओं को नेतृत्व और सेवा के समान अवसर मिलें। हम लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, समावेशी नेतृत्व को बढ़ावा देने और एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र और सैन्य योगदान देने वाले देशों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे जहां शांति न केवल स्थायी हो, बल्कि विविधता और समानता के माध्यम से फले-फूले भी।

बिहार एसआईआर में आधार कार्ड या 11 अन्य दस्तावेज मान्य, सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को बड़ा आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को चुनावी राज्य बिहार में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में बदलाव करने से इनकार कर दिया, लेकिन भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को निर्देश दिया कि वह सूची से बाहर किए गए मतदाताओं को ऑनलाइन माध्यम से दावे दाखिल करने की अनुमति दे, साथ ही भौतिक रूप से भी दावा पेश करने की अनुमति दे। अदालत ने निर्वाचन आयोग को मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए 11 दस्तावेज़ों या आधार कार्ड को स्वीकार करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की दो सदस्यीय पीठ ने राजनीतिक दलों को उन 65 लाख लोगों की मदद करने का भी निर्देश दिया, जिन्हें मसौदा मतदाता सूची से बाहर रखा गया है। अदालत ने कहा, सभी राजनीतिक दल अगली सुनवाई तक उस दावा प्रपत्र पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करें, जिसे उन्होंने बहिष्कृत मतदाताओं द्वारा दाखिल करने में मदद की थी।

'न केवल ममतामय, बल्कि वैज्ञानिक तर्क...'

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के नए आदेश का राहुल गांधी ने किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के संशोधित निर्देशों का स्वागत किया और कहा कि यह पशु कल्याण में संतुलन की दिशा में एक प्रगतिशील कदम है। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को आवारा कुत्तों के स्थानांतरण के अपने 11 अगस्त के आदेश में संशोधन करते हुए कहा कि नसबंदी के बाद कुत्तों को छोड़ दिया जाएगा और उन्हें आश्रय स्थलों में नहीं रखा जाएगा, बशर्ते वे पागल या आक्रामक न हों। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मैं आवारा कुत्तों पर

सुप्रीम कोर्ट के संशोधित निर्देशों का स्वागत करता हूँ, क्योंकि यह पशु कल्याण और सार्वजनिक सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की दिशा में एक प्रगतिशील कदम है। यह दृष्टिकोण न केवल दयालु है, बल्कि वैज्ञानिक तर्क पर आधारित भी है। सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने 11 अगस्त को एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली-एनसीआर के आवारा कुत्तों को आठ हफ़्तों के भीतर आश्रय गृहों में पहुँचाने का आदेश दिया था, जिस पर कार्यकर्ताओं और पशु प्रेमियों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। अगले दिन, मामला सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय नई पीठ के पास भेज दिया गया, जिसने 14 अगस्त को मामले की सुनवाई की और अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने पहले के आदेश से पीछे हटते हुए शुक्रवार को सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने से मना कर दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाते पाए जाने वालों के खिलाफ संबंधित कानूनी ढांचे के तहत कार्रवाई की जाएगी।

पहले रेखा गुप्ता पर अटैक, अब कार्यक्रम में हंगामा... पुलिस ने आरोपी शख्स को हिरासत में लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमले के कुछ दिनों बाद, एक व्यक्ति ने उनके कार्यक्रम में हंगामा किया और पुलिस ने उसे तुरंत हिरासत में ले लिया। डीसीपी शाहदरा ने बताया कि

अजीत नगर में टीवी केबल का व्यवसाय करने वाले और पिछले 40 सालों से भाजपा कार्यकर्ता होने का दावा करने वाले प्रवीण शर्मा नामक एक व्यक्ति ने आज गांधी नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अरविंदर सिंह लवली के खिलाफ नारे लगाए, जब विधायक उस कार्यक्रम में जनता को संबोधित कर रहे थे जहाँ मुख्यमंत्री भी मौजूद थी। प्रवीण शर्मा एक गली में बैरिकेड्स के पीछे थे, जहाँ उन्हें तुरंत पकड़ लिया गया और वहाँ से हटा दिया गया। किसी भी समय वीआईपी की सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई। यह घटनाक्रम रेखा गुप्ता पर राष्ट्रीय राजधानी में उनके सिविल लाइंस स्थित आवास पर आयोजित एक जनसभा के दौरान हुए हमले के कुछ दिनों बाद हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि राजेश भाई खिमजी सकारिया नाम के इस व्यक्ति ने पहले मुख्यमंत्री को कुछ कागज़ दिए और फिर उन पर चिल्लाने, चीखने-चिल्लाने और हमला करने लगा।

भारत के शिखर पर पहुंचने तक किसी को आराम का अधिकार नहीं, केरल में बोले अमित शाह

● केरल वहीं, जहां 11 साल पहले था

तिरुवनंतपुरम। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है और उन्होंने देश के लोगों से आह्वान किया कि वे देश को दुनिया के हर क्षेत्र में शीर्ष पर पहुंचाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें। हालांकि, उन्होंने इस बात पर निराशा भी जाहिर की कि केरल आज भी वहीं है जहां वह 11 साल पहले था, और उन्होंने कम्युनिस्ट विचारधारा के कारण पैदा हुए ठहराव को राज्य को

पीछे धकेलने के लिए जिम्मेदार ठहराया। केरल में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा श्भारत लंबे समय तक आर्थिक अस्थिरता का शिकार रहा। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में, भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी। कांग्रेस सरकार अपने 10 वर्षों में केवल एक ही अच्छी बात कर पाई कि उन्होंने इसे 12वें स्थान पर नहीं जाने दिया। पिछले 11 वर्षों में, प्रधानमंत्री मोदी ने देश को 11वें स्थान से दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है। शाह ने कहा, जब तक हम शिखर पर नहीं पहुंच जाते और एक महान भारत का निर्माण नहीं कर लेते, तब तक किसी को भी आराम करने का अधिकार नहीं है। जब आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया था, तब प्रधानमंत्री मोदी ने एक लक्ष्य रखा था कि आजादी के 75 से 100 वर्ष की इस यात्रा में, सभी 1. 4 अरब नागरिक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें और देश को दुनिया के हर क्षेत्र में शीर्ष पर पहुंचाएं। शाह ने आगे कहा कि शांति और विकास की दृष्टि से, जब भी देश का इतिहास लिखा जाएगा तब प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्षों के शासन को स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया जाएगा। गृह मंत्री ने कहा, श्फिर भी, मुझे खेद है कि भारत

प्रयाग में बन रही आयुष्मान, सारा, रकुलप्रीत वाली तीसरी 'पति–पत्नी और वो', पहली तो कमलेश्वर ने ही लिखी थी

प्रयागराज। प्रयागराज के विभिन्न स्थानों पर आजकल 'पति–पत्नी और वो' के सीक्वल की शूटिंग चल रही है। भूषण कुमार की फिल्म की शूटिंग के लिए आयुष्मान खुराना, सारा अली खान और रकुलप्रीत सिंह प्रयागराज में हैं। 'पति–पत्नी और वो' नाम से यह तीसरी फिल्म होगी। ठीक 47 साल पहले इसी नाम से बीआर चोपड़ा ने पहली फिल्म रिलीज की थी। उस फिल्म का गीत 'ठंडे–ठंडे पानी से नहाना चाहिए, गाना आए या ना आए, गाना चाहिए' आज भी लोकप्रिय है। लेकिन बहुत कम लोग

जानते हैं कि 'पति–पत्नी और वो' से प्रयागराज का अनोखा रिश्ता है। 'पति–पत्नी और वो' नाम से बनी पहली सुपरहिट फिल्म की कहानी 70 के दशक में प्रयागराज (तब इलाहाबाद) के लेखक कमलेश्वर ने लिखी थी। कमलेश्वर ने कहानी पहले ही लिखी थी। तब के दिग्गज निर्देशक बीआर चोपड़ा ने कमलेश्वर की कहानी पढ़ी और फिल्म बनाने का मन बना लिया। चोपड़ा ने फिल्म बनाने के लिए कमलेश्वर से सहमति मांगी जो उन्होंने दे दी। चोपड़ा की फिल्म में संजीव कुमार, विद्या सिन्हा और रंजीता कौर ने शानदार अभिनय किया था। इस फिल्म में ऋषि कपूर और नीतू सिंह की भी छोटी भूमिका थी। इस फिल्म के लिए कमलेश्वर को सर्वश्रेष्ठ पटकथा लेखक, संजीव कुमार को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और रंजीता को सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला था। पहली फिल्म को देखने वाले याद करते हैं कि इसकी कहानी शादी के बाद पति के अन्य महिला से रिश्ते पर थी। बीआर चोपड़ा जैसे निर्माता–निर्देशक और इसमें बड़े–बड़े कलाकारों का होना इसके हिट होने की गारंटी थी। इस फिल्म से मिलती–जुलती दूसरी फिल्म 'पति–पत्नी और वो' 2019 में रिलीज हुई। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडेय कलाकार थे। डायरेक्टर मुदस्सर अजीज और प्रोड्यूसर भूषण कुमार थे। अब भूषण उसकी सीक्वल बना रहे है, जिसकी शूटिंग प्रयागराज में हो रही है। प्रयागराज से पहले हिमाचल प्रदेश के एक मंदिर में भी इसकी शूटिंग हुई है।

कुत्ते हो रहे खूंखार, रोजाना 500 लोग बन रहे शिकार

प्रयागराज। केस 1– राजपुर के सुशील कुमार पेशे से बिजली मैकेनिक हैं, एक सप्ताह पूर्व वह राजपुर में बाइक से जा रहे थे। गली में बाइक खड़ी ही कर रहे थे तभी कुत्तों ने हमला कर दिया। अचानक हमले से उन्हें संभलने का मौका भी नहीं मिला और गिर पड़े। कुत्ते की पकड़ इतनी मजबूत थी कि वह छुड़ाने पर भी नहीं छोड़ रहा था। बाद में लोग दौड़े तो सुशील को कुत्ते की पकड़ से छुड़ाया। तब तक वह गंभीर रूप से जख्मी हो चुके थे। अब वह बेली अस्पताल में अपना उपचार करा रहे हैं। इन्हें वैक्सीन की दो डोज लग चुकी है और बाकी के लिए आने के लिए कहा गया है।

सुशील के दिलोदिमाग पर दहशत इस कदर तारी है कि कुत्तों को दूर से देख कर ही रास्ता बदल ले रहे हैं। उस रात का खौफनाक मंजर याद करते ही वह दहशत में आ जाते हैं। केस 2– फाफामऊ निवासी मो. कैफ एक अगस्त को घर से टिफिन लेकर जा रहे थे। बाइक में बंधे टिफिन में नानवेज था। घर से कुछ दूर आगे बढ़े ही थे कि अचानक कुत्तों ने घेर लिया और पैर सूंघने लगे। घबराकर कैफ ने बाइक खड़ी कर दी। तभी अचानक कुत्तों ने हमला कर दिया और उनका पैर पकड़ लिया। उनकी चीख पुकार सुनकर लोग दौड़े और किसी तरह उन्हें कुत्तों के चंगुल से बचाया लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। कुत्तों ने पैर में इतना गहरा जख्म दे दिया कि तुरंत अस्पताल जाना पड़ा। अब बेली अस्पताल में अपना इलाज करा रहे हैं। उन्हें एआरवी की दो डोज लग चुकी है और धीरे–धीरे सामान्य हो रहे हैं। कुत्तों के काटने पर हुआ जख्म तो भर रहा है लेकिन कुत्तों की दहशत से वह उबर नहीं पा रहे हैं। केस 3– मऊ जिले के अनिल यादव यहां सलोरी में किराए का कमरा लेकर परीक्षा की तैयारी करते हैं। पांच अगस्त को वह साइकिल से गैस भराने के लिए निकले थे। वह दुकान के पास पहुंचे ही थे कि कुत्तों ने उन्हें घेर लिया। कुत्ते उन्हें सूंघने लगे तो उन्हें लगा कि वह सूंघ कर चले जाएंगे लेकिन अचानक कुत्ते हमलावर हो गए और उन्हें कई जगह काट लिया। अनिल किसी तरह बचकर कमरे पर पहुंचे और साथियों की मदद से अस्पताल जाकर टिटनेस का इंजेक्शन लगवाया। सुबह बेली अस्पताल पहुंचे तो उपचार शुरू हुआ। बताया कि वैक्सीन की एक डोज बाकी है जिसे लगवा लेने पर कोर्स पूरा हो जाएगा तो राहत मिल जाएगी। प्रयागराज, हिन्दुस्तान टीम। यह तीन प्रकरण शहर के तीन इलाकों की बानगी मात्र है। शहर में रोजाना सैकड़ों लोग आवारा कुत्तों के हमले का शिकार बन कर अस्पतालों के चक्कर काट रहे हैं। इन आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए शहर में न तो गाड़ियां कभी दिखती हैं न ही जिम्मेदार इसे लेकर गंभीरता दिखाते हैं। जिससे आवारा कुत्तों की समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। लगभग हर गली–मोहल्ले में आवारा कुत्तों से लोग परेशान हैं। शहर हो या गांव रोजाना सैकड़ों लोग इनके हमले का शिकार बन रहे हैं। यह बात हम नहीं कह रहे बल्कि आंकड़े इस बात की तस्दीक करते हैं कि बीते दो वर्षों में ही जिले में करीब दो लाख लोग कुत्ते के काटने और खरोंचने के कारण अस्पतालों में एंटी रैबीज वैक्सीन(एआरवी) लगवाने पहुंचे। बात अगर इनदिनों की करें तेज बहादुर सप्रू अस्पताल में एआरवी के लिए दो से तीन सैकड़ा लोग रोज पहुंच रहे हैं जिनमें नए और पुराने दोनों मरीज शामिल हैं। इसके अलावा कॉल्विन और भगवतपुर अस्पताल के साथ ही जिले की 22 सीएचसी में भी एआरवी लगवाने के लिए बड़ी संख्या में लोग रोज आ रहे हैं। मात्र सरकारी अस्पतालों में एआरवी लगवाने के लिए पहुंच रहे मरीजों की संख्या प्रतिदिन पांच सौ से अधिक है। इससे स्थिति की गंभीरता अंदाजा लगाया जा सकता है। शीर्ष अदालत की सख्ती और आदेश के बाद अब लोगों में राहत की

कुछ उम्मीद जगी है। आम लोगों से बात की तो अधिकतर ने कहा कि आवारा कुत्ते अब बड़ी समस्या बन चुके हैं जिन पर अंकुश लगना बेहद जरूरी है। कुत्तों के काटने पर न करें लापरवाही – घाव को साफ बहते पानी और साबुन से पांच से पंद्रह मिनट तक धोकर साफ करें। – घाव पर मिर्च, सरसों का तेल या अन्य कोई पदार्थ न लगाएं और अंधविश्वास से बचें। – टिटनेस का इंजेक्शन तुरंत लगवाएं, देर न करें। – चौबीस घंटे के भीतर एंटी रैबीज वैक्सीन की डोज जरूर लगवा लें। – चिकित्सक के परामर्श अनुसार दूसरी डोज तीसरे दिन लगवा लें। – सातवें दिन एआरवी की तीसरी और 28वें दिन चौथी डोज अवश्य लगवाएं। – जख्म गहरा होने पर इम्युनोग्लोबिन तुरंत लगवा लें। – जिस कुत्ते ने काटा है उस पर नजर रखें, अगर उसकी मौत हो जाती है तो इलाज में लापरवाही न करें। – अपने पालतू जानवरों का समय–समय पर टीकाकरण अवश्य कराएं ।

पालतू कुत्ते भी हो रहे आक्रामक बारिश के मौसम में स्ट्रीट डाग ही नहीं पालतू कुत्ते भी आक्रामक होते जा रहे हैं। उन्हें नहलाते या दवा देते समय वह अचानक अपने मालिक पर ही हमला कर दे रहे हैं। सरकारी अस्पतालों में एआरवी की डोज लेने वालों में काफी संख्या में ऐसे लोग होते हैं जिन्हें उनके पालतू कुत्ते ने ही काट लिया और अब एहतियातन उन्हें वैक्सीन लगवानी पड़ रही है। इन स्थानों पर उपलब्ध है एआरवी शहर के तेज बहादुर सप्रू(बेली) अस्पताल, मोतीलाल नेहरू मंडलीय (कॉल्विन) चिकित्सालय एवं भगवतपुर अस्पताल में एंटी रैबीज उपलब्ध है। सरकारी अस्पतालों में एआरवी की सुविधा पूरी तरह से निःशुल्क है। पीड़ित व्यक्ति को पर्ची के मात्र एक रुपये के अतिरिक्त कुछ नहीं देना पड़ता है। इसके अलावा कुछ निजी अस्पतालों में भी एंटी रैबीज लगाए जा रहे हैं जिसके लिए निर्धारित शुल्क अदा करना पड़ता है। बेहद खूंखार हैं श्मशान घाट के आसपास के कुत्ते दारागंज, रसूलाबाद, फाफामऊ, झूंसी, छतनाग और नैनी इलाकों में श्मशान घाट के आसपास रहने वाले कुत्ते बेहद खतरनाक और खूंखार माने जाते हैं जो चंद मिनट में किसी की भी जान ले सकते हैं। इनका समूह कछार में विचरण करता रहता है और नदी में बहकर आने वाले शवों को खींचकर खा जाता है। श्मशान घाट पर शवों के बचे अवशेष को भी यह खा जाते हैं। कछारी इलाके में गाय, भैंस व बकरी आदि के छोटे बच्चों को कुत्तों का समूह दौड़ा कर पकड़ लेता है और उन्हें अपना निवाला बना लेता है। हमारी भी सुनें – शहर में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है जिस पर अंकुश लगना जरूरी है। आवारा कुत्ते आने जाने वाले राहगीरों पर अचानक हमला कर देते हैं। कई लोग इनके हमले का शिकार बन चुके हैं।–आकाश रात में सूनसान सड़कों पर आवारा कुत्तों का राज हो जाता है जो आते जाते लोगों को दौड़ाकर काट रहे हैं। पुराना कटरा और मम्फोर्डगंज आदि इलाकों में इस समस्या से लोग परेशान हो गए हैं।–मुकेश कुमार यादव हम जानवरों के विरोधी नहीं हैं और नियमित रूप से कुत्तों और जानवरों को भोजन कराते आए हैं। लेकिन जब जानवर खतरनाक हो जाएं और हमला करने लगें तो इन पर रोकथाम करना जरूरी है।–मुन्ना मिश्रा हमारे घर के आसपास पिछले दो माह में कई लोगों को कुत्ते काट चुके हैं जिनको उपचार कराना पड़ा, वैक्सीन लगवानी पड़ी। शहर में आवारा कुत्तों की धरपकड़ की जाए तो समस्या से राहत मिले।–राकेश पांडेय हर गली मोहल्ले में आवारा कुत्ते समस्या बने हुए हैं। रोजाना तमाम लोग इनके हमले का शिकार हो रहे हैं। बच्चे स्कूल से लौटते हैं तो डर बना रहता है। आवारा कुत्तों पर अंकुश लगना जरूरी है।–पवन कुमार गौतम स्ट्रीट डाग के कारण पूरा शहर परेशान है, बाहर निकलो तो इनसे बच बचाकर चलो, कुत्ता काट ले तो वैक्सीन के लिए अस्पतालों के चक्कर लगाओ। जिम्मेदारों को इस समस्या का निदान कराना चाहिए।–सचिन यादव कुछ दिन पहले कुत्तों ने दौड़ा लिया था जिससे गिर गया था। अब सुबह निकलने में डर लगता है। मार्निंग वॉक के लिए निकलते हैं तो डंडा लेकर निकलना पड़ता है या किसी को साथ लेकर निकलते हैं।–अजय कुमार श्रीवास्तव शहर में आवारा कुत्तों की तादाद लगातार बढ़ रही है। नगर निगम के जिम्मेदार इस पर अंकुश नहीं लगा पा रहे हैं। नगर निगम की गाड़ी सिर्फ देखने के लिए है। अगर कुत्तों की धरपकड़ हो तो राहत मिले।–सद्दाम खान कुत्ते बस्ती में रहें इसमें किसी को एतराज नहीं है लेकिन जब वह हमला करने लगे तो चिंता की बात है। कुत्ता काट ले और लापरवाही हो जाए तो जान भी जा सकती है। इन पर अंकुश लगना चाहिए।–अंगद श्रीवास्तव इन दिनों स्ट्रीट डाग बेहद खूंखार हो गए हैं जो बिना किसी वजह के लोगों पर हमला कर दे रहे हैं। नगर निगम अभियान चला कर आवारा कुत्तों की धर पकड़ करे और उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाए तो राहत मिले।

माफिया अतीक अहमद के ड्रीम प्रोजेक्ट पर गरीबों के लिए बनेगा आशियाना, पीडीए का प्रस्ताव

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद जिस जमीन पर आलीशान शहर बसाना चाहता था, वहां अब गरीबों का घर बनाने की योजना बनी है। शासन से स्वीकृति मिलते ही प्रयागराज विकास प्राधिकरण शहर में एक और प्रधानमंत्री आवास योजना को मूर्त रूप देने की तैयारी शुरू करेगा। पीडीए ने शासन को प्रस्ताव को भेजा है।

पीडीए ने शहर में गरीबों के आवास बनाने के लिए कई जमीन चिह्नित कर शासन से अनुमति मांगी है। इसमें ससुर खदेरी नदी किनारे लखनपुर गांव के पास की वो जमीन भी है, जिस पर माफिया अतीक

अहमद अलीना सिटी बनाना चाहता था। अलीना सिटी अतीक का ड्रीम प्रोजेक्ट था। 500 बीघा से अधिक जमीन पर आवास बनने वाले थे. लेकिन अवैध तरीके से बसाई जा रही टाउनशिप को धराशायी कर दिया गया था।

अलीना सिटी के साथ अहमद सिटी भी बसाई जा रही थी। बताते हैं कि अपने ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए अतीक अहमद ने किसानों से जमीन जबर्दस्त ली या औने–पौने दामों में खरीदी थी। पीडीए के अधिकारी ने बताया कि पीएम आवास योजना के लिए चिह्नित जमीनों में अलीना सिटी के भी भूखंड शामिल हैं। पीएम आवास योजना के लिए चिह्नित जमीन में अलीना सिटी के लिए प्रस्तावित भूखंड के सवाल पर पीडीए के सचिव अजीत कुमार सिंह ने कहा कि प्रस्ताव शासन को भेजा गया है, लेकिन लखनपुर के पास चिह्नित जमीन का नाम लेने से बचते रहे।

वर्ष 2008 के पहले ससुर खदेरी नदी के पास बसाई जा रही अलीना सिटी के बारे में अधिकतर शहरियों को जानकारी नहीं थी। प्रदेश में बसपा की सरकार बनते ही एक दिन अचानक प्रयागराज विकास प्राधिकरण का दस्ता लखनपुर गांव के पास पहुंचा और अवैध रूप से बनाए जा रहे मकानों को तोड़ना शुरू कर दिया। इस कार्रवाई के बाद अलीना सिटी के बारे में सभी ने जाना। कार्रवाई के कुछ साल बाद इस भूखंड पर फिर निर्माण शुरू हो गए तो 2020 में फिर ध्वस्तीकरण हुआ। मार्च 2022 में भी यहां बुलडोजर गरजा। इसके बाद से इस जमीन पर पीडीए, पुलिस और प्रशासन लगातार नजर बनाए रखे है। माफिया अतीक अहमद के कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर शहर की दूसरी पीएम आवास योजना बनाई गई थी। आवास योजना निर्माण के पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भूमि पूजन किया था। आवास योजना तैयार होने के बाद उन्होंने ही इसका लोकार्पण भी किया। यहां 1731 वर्ग मीटर आवास योजना के 76 फ्लैट बनाए गए हैं।

स्वास्थ्य शिविर में लाभान्वित हुए पीएसी जवान

प्रयागराज। वामा सारथी यूपी पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से चतुर्थ वाहिनी पीएसी धूमनगंज में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान वाहिनी के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के अलावा उनके परिजनों का चेकअप के बाद दवा वितरित की गई। सेनानायक मनीष कुमार शांडिल्य ने काल्विन अस्पताल के राजकीय होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ जेआर प्रजापति व उनकी चिकित्सक टीम का पुष्प गुच्छ व माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर उपसेनानायक अनित कुमार, एसएसएएप सहायक सेनानायक प्रेमप्रकाश यादव, अब्दुल रज्जाक, उमेश पांडेय, केशवचंद्र राय, विनय सिंह, विजय सिंह आदि मौजूद रहे।

यूपी में 2400, ताइवान में 12000 रुपये क्विंटल बिकता है मक्का, प्रयागराज के किसानों को मिला निर्यात ऑर्डर

प्रयागराज। दुनिया के लोग संगमनगरी प्रयागराज के काला धान और अमरूद ही नहीं बल्कि मक्के का भी स्वाद चख सकेंगे। मक्के का वैश्विक बाजार तेज होने से प्रयागराज के मक्का किसानों को इसके लाभ मिलेंगे। पहली बार ताइवान को मक्के के निर्यात की मांग आई है। विदेशी व्यापारियों द्वारा मक्के की खरीद में रुचि से किसान काफी उत्साहित हैं। मक्का की उपज साल में तीन बार हो जाती है। कम समय में फसल तैयार होने से ज्यादा आय की उम्मीद को देखते हुए किसानों का रुझान मक्का की खेती की तरफ बढ़ रहा है। प्रयागराज के कृषि उप–निदेशक पवन कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि सरकार मक्के के बीज में 50 फीसदी की छूट दे रही है। प्रयागराज मंडल में 1461 हेक्टेयर में मक्का की खेती होती है। पिछले साल मंडल में 4418 मीट्रिक टन मक्के की पैदावार हुई थी।

मक्के के निर्यात का प्रस्ताव फूलपुर फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की ओर से आया है। मुंबई से ताइवान मक्का निर्यात करने वाले एक्सपोर्टर रणधीर सिंह मुन्ना की तरफ से जिले में पैदा होने वाले मक्के के निर्यात के लिए प्रस्ताव आया है। रणधीर सिंह मुन्ना ताइवान में मक्के के प्रमुख निर्यातकों में गिने जाते हैं।

किसानों के लिए अच्छी खबर, योगी सरकार ने शुरू की मक्का की खरीद; इतने रुपये कुंतल दे रही दाम

मक्का उत्पादक उमेश पटेल बताते हैं कि उनके किसान उत्पादन संगठन (एफपीओ) में 613 किसान हैं, जिनमें 221 महिला भी शामिल हैं। प्रदेश में मक्का लगभग 2400 रुपये प्रति क्विंटल बिक रहा है, जबकि एक्सपोर्ट में यह 8000 रुपये प्रति कुंतल तक बिक जाता है।

वहीं, ताइवान में मक्के का भाव 12000 रुपये क्विंटल से ऊपर चल रहा है। उप–निदेशक पवन विश्वकर्मा के अनुसार 2025–2026 विपणन वर्ष के लिए सरकार ने रबी सीजन में मक्के का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रति क्विंटल 2225 रुपये घोषित की है। राज्य सरकार किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मक्का खरीद रही है।

साइबर ठगी को बताया किडनैपिंग, बिना कपड़ों में वीडियो कॉल पर लड़की से बात और फिर

प्रयागराज। यूपी में फाफामऊ के थरवई क्षेत्र में बुधवार को एक युवक को अगवा कर एक लाख रुपये फिरौती वसूलने के मामले का पुलिस ने चौबीस घंटे के अंदर खुलासा कर दिया। युवक ने साइबर अपराधियों के एक लाख रुपये वसूलने और दोबारा धमकी देने से तंग आकर अपहरण की झूठी कहानी रची थी। पुलिस ने युवक को हिदायत देकर छोड़ दिया है।

पुलिस के अनुसार, सरायचंडी गांव नागेंद्र कुमार प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता है। उसने बुधवार को थरवई थाने में तहरीर दी थी कि बाइक से सहसों ऑनलाइन फार्म भरने जा रहा

था। रास्ते में बसमहुआ गांव के समीप कार सवार बदमाशों ने उसे अगवा कर लिया। बदमाशों ने जान से मारने की धमकी देकर एक लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कराए और उसे छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने घटनास्थल व आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, लेकिन अपहरण का साक्ष्य नहीं मिला।

पुलिस ने गुरुवार को नागेंद्र से कड़ाई से पूछताछ की, तो उसने सच्चाई उगल दी। नागेंद्र ने बताया कि वह बुधवार को कानपुर से ट्रेन से लौट रहा था। रास्ते में फेसबुक पर अनजान वीडियो कॉल में एक नग्न लड़की बात कर रही थी। इसके बाद अनजान नंबर से कॉल आई और नग्न लड़की के साथ बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी जाने लगी। डरा धमकाकर उससे एक लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कराया गया। लेकिन, फिर से एक लाख 30 हजार रुपये की और मांग की जाने लगी। नागेंद्र ने अपने मित्र की सलाह पर लोकलाज के डर व साइबर ठग से छुटकारा पाने के लिए अपहरण की झूठी कहानी रची थी।

यमुना के 9 करोड़ लीटर पानी से मिलती है मात्र 5 किलो काली मिट्टी, उस मिट्टी की है क्रिकेट में भारी मांग

प्रयागराज। प्रयागराज में यमुना नदी एक तिहाई आबादी की प्यास बुझाती है। सिविल लाइंस और पुराने शहर में जलापूर्ति के लिए प्रतिदिन यमुना से सुबह–शाम लगभग नौ करोड़ लीटर पानी जलकल के खुसरोबाग जलाशय लाया जाता है। यमुना का पानी खुसरोबाग तक लाने के लिए करेलाबाग में पंपिंग स्टेशन और इनटेक वेल बने हुए हैं। पानी के साथ खुसरोबाग आने वाली काली मिट्टी जलकल विभाग के लिए किसी काम की नहीं होती, लेकिन क्रिकेट के खिलाड़ियों के लिए यह अनमोल है। क्रिकेट का पिच और विकेट तैयार करने के लिए इसकी भारी डिमांड है। क्रिकेट ग्राउंड में पिच और विकेट तैयार करने के लिए कोच, खिलाड़ी और ग्राउंड के मालिक इस मिट्टी के लिए विभाग के पास अर्जी लगाते हैं। आवेदन के महीनों बाद यह

काली मिट्टी मिल पाती है, क्योंकि यमुना से आने वाले पानी में इसकी उपलब्धता बहुत कम होती है। काली मिट्टी के लिए लगभग आधा दर्जन सिफारिश महापौर गणेश केसरवानी के पास लंबित है। क्रिकेट के कोचिंग कैंप चलाने वाले इसकी अच्छी कीमत भी देने को तैयार रहते हैं।

मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में दो साल पहले तक यमुना की काली मिट्टी से ही पिच तैयार की जाती थी। शहर के तमाम कोचिंग कैंप के विकेट में भी यमुना की काली मिट्टी का इस्तेमाल होता है। प्रयागराज के वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी एलबी काला कहते हैं यमुना की काली मिट्टी से बनी पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल होती है। इससे पिच जल्दी खराब नहीं होती। यह गुणवत्ता सामान्य काली मिट्टी में नहीं होती।

जलकल विभाग के सचिव शिवम मिश्रा बताते हैं कि यमुना का पानी खुसरोबाग में साफ किया जाता है। सफाई के दौरान नौ करोड़ लीटर पानी से प्रतिदिन पांच से 10 किलो काली मिट्टी ही निकलती है। मिट्टी जलकल विभाग के लिए किसी काम का नहीं, लेकिन इसे सहेज कर रखना पड़ता है जो एक काम है।

आयुर्वेद महाविद्यालयों को शल्य तंत्र के तीन प्रोफेसर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने आयुष (आयुर्वेद) विभाग के तहत राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालयों / चिकित्सालयों में प्रोफेसर (आचार्य) शल्य तंत्र के तीन पदों का परिणाम घोषित कर दिया है। 17 अक्टूबर 2024 को जारी विज्ञापन के सापेक्ष कुल 13 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। इसके लिए साक्षात्कार 21 अगस्त को लोक सेवा आयोग परिसर में आयोजित हुआ। साक्षात्कार के लिए बुलाए गए 11 अभ्यर्थियों में से कुल छह अभ्यर्थी उपस्थित हुए। आयोग के उपसचिव डीपी पाल के अनुसार अनारक्षित श्रेणी में उमेश चन्द्र शर्मा और योगेश कुमार मिश्र जबकि ओबीसी वर्ग में अजय कुमार शर्मा का चयन हुआ है।

डा. बालकृष्ण पांडेय ओमान की राजधानी मस्कट में हुए सम्मानित

डा. बालकृष्ण पांडेय विदेश में सम्मानित होकर बढ़ाया भारत का मान

प्रयागराज। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ बालकृष्ण पांडेय (एडवोकेट उच्च न्यायालय इलाहाबाद) को वर्ष 2025 का परिकल्पना सम्मान प्रदान किया गया, परिकल्पना की अध्यक्ष माला चौबे एवं परिकल्पना पत्रिका के मशहूर संपादक साहित्यकार व उपन्यासकार डॉ रवींद्र प्रभात

ने पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह तथा 12500 की धनराशि प्रदान कर मंच पर बालकृष्ण पांडेय को साहित्य के बड़े सम्मान परिकल्पना सम्मान से सम्मानित किया। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि ओमान की राजधानी मस्कट में चार दिवसीय भव्य परिकल्पना हिंदी उत्सवयात्रा समारोह आयोजित किया गया जिसमें अनेक साहित्यकार तथा गणमान्य लोगों ने कार्यक्रम का लुत्फ उठाया। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के संस्थापक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय व अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र तथा राष्ट्रीय सचिव डॉ योगेंद्र मिश्र विश्वबंधु ने इस गौरवपूर्ण सम्मान के लिए डॉ बालकृष्ण पांडेय को बधाई दी है तथा स्थानीय पत्रकारों में इस बात को लेकर हर्ष व्याप्त है।

भारतीय जनता पार्टी के मंडल मंत्री अवधेश श्रीवास्तव जी का जन्म दिवस मनाया गया

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी चौक मंडल के मंडल अध्यक्ष सुमित वैश्य जी नेतृत्व में मंडल मंत्री अवधेश श्रीवास्तव जी का जन्मदिन चौक मंडल कार्यालय पर मनाया गया उनको

दीर्घायु की शुभकामनाएं एवं बधाई दिया उपस्थित मंडल अध्यक्ष सुमित वैश्य माशू अब्बास नकवी अतुल खन्ना मधुसूदन निषाद कुमकुम श्रीवास्तव धीरज केसरवानी सौरभ शर्मा राजेश केसरवानी रचना श्रीवास्तव पार्वती वर्मा सुषमा यादव।

पुराने खातों में, अपडेट करायें केवाईसी: मनीष कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक

प्रतापगढ़। जनपद में पधारे बैंक ऑफ़ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रबंधक मनीष कुमार ने गोंड़े स्थित आरसेटी परिसर में आयोजित जागरुकता शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि शासन और बैंक की योजनाओं का लाभ लेने के लिए वित्तीय जागरूकता बहुत जरूरी है। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों, कृषक महिलाओं और ग्रामीण जन से कहा कि आज के परिवेश में हर व्यक्ति को बचत की आदतों का विकास करना चाहिए, सभी बचत खातों से जुड़े और भारत सरकार की प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति बीमा योजना सहित अटल पेंशन योजना के फायदों का लाभ भी लेना चाहिए। आज के आयोजन के पृष्ठभूमि के तहत उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक की संतृप्तिकरण योजना जो 1 जुलाई से 30 सितंबर तक लागू है, के विषय में बताते हुए कहा कि दस वर्ष से पुराने बचत खातों में, पुनः पहचान सत्यापन कराकर, खाते को सक्रिय रखने और नामांकन सुविधा अपनाने

की अपील की। बैंक ऑफ़ बड़ौदा के क्षेत्रीय कार्यालय जौनपुर से पधारे वित्तीय समावेशन अधिकारी रवि रंजन सिन्हा ने भारतीय रिजर्व बैंक ने इस संतृप्तिकरण अभियान में शासन की बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, नामांकन सुविधा, पुराने मृत खातों की रकम को कैसे वापस पाया जाए और बैंकिंग लोकपाल जैसी योजनाओं पर विशेष चर्चा कर, अनुरोध किया कि हर व्यक्ति अपने मित्र, परिवार या संबंधियों से इन बातों को साझा करें और उन्हें भी प्रेरित करें कि वे सभी यथाशीघ्र इन जानकारी को बैंक से जुड़कर आगे बढ़ाएं। एफएलसी शिशिर खरे द्वारा उपस्थित जनता से ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के तरीकों तथा बैंकिंग लोकपाल शिकायत सुविधा की जानकारी साझा की गयी। लोगों को आगाह किया कि ऐसे किसी डर, लालच या बहकावे में ना आयें और बिना पुष्ट किए, कभी भी किसी अनजान को रकम प्रेषित ना करें। आरसेटी में चलाए जा रहे स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण सुविधाओं की जानकारी, निदेशक रवि रंजन द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर एलडीएम गोपाल शेखर झा, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के मुख्य प्रबंधक नारायण कुमार, नीरज कुमार सिंह, प्रशिक्षक ज्ञानचंद तिवारी, अमृता दुबे, संजीव कुमार, विनय विश्वकर्मा, शांतनु शेखर सिंह, सहायक अनिल कुमार, आदेश जैन, रानीगंज क्षेत्र से मीरा यादव, श्यामा देवी, कमलेश कुमारी, नीलम यादव, सीमा देवी, सुषमा देवी, कोमल तिवारी तथा रौनक केसरवानी आदि सहित ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के अनेक लोग उपस्थित रहे।

विद्यालय ही बच्चों की प्रतिभा निखारने का पहला पायदान: सूर्यकांत संभागीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में दिखा बच्चों का हुनर

तीनों बालक वर्ग में करछना की टीम रही चैंपियन, बालिका वर्ग में घटवा की टीम रही विजेता

करछना। खेलकूद का हमारे जीवन पर सीधा प्रभाव पड़ता है। मानसिक चौतन्यता के साथ शारीरिक स्वस्थता के लिए खेलकूद बहुत जरूरी है।हमारे विद्यालयों में एक से बढ़कर एक खेल प्रतिभाएं हैं।यही विद्यालय बच्चों की प्रतिभा निखारने का पहला पायदान है।हमारे खेल प्रशिक्षकों को चाहिए की विद्यालयों से अच्छी प्रतिभा को तलाशें जो आगे चलकर अपने विद्यालय और देश का नाम रोशन कर सकें।यह बातें रामपुर स्थित श्री बृज मंगल सिंह इंटर कॉलेज में आयोजित करछना के विद्यालयों की संभागीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि रहे सर्वोदय शिक्षा सदन इंटर कॉलेज भीरपुर के प्रधानाचार्य सूर्यकांत त्रिपाठी ने कही। प्रतियोगिता के आरंभ में उन्होंने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन,माल्यार्पण करते हुए उद्घाटन किया और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इसके उपरांत खेले गए मैचो में मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज करछना की सब जूनियर टीम ने कड़ी टक्कर में स्वामी विवेकानन्द इंटर कॉलेज महुआरी को परास्त करते हुए खिताब अपने नाम किया। बालक सीनियर वर्ग में फाइनल के दौरान बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज रामपुर और करछना की टीम में कड़ी टक्कर दिखी। जिसमें करछना की टीम

विजेता और श्री बृज मंगल सिंह इंटर कॉलेज की टीम उपविजेता रही।

इसी प्रकार जूनियर वर्ग में भी करछना के बालकों ने खांई की टीम को फाइनल के दौरान कड़ी टक्कर देते हुए विजेता बनी। करछना की टीम बालकों के तीनों वर्गों में विजेता रही।बालिका वर्ग में फाइनल मुकाबला श्रृंगी ऋषि इंटर कॉलेज घटवा की बालिकाओं ने जीता। बृज मंगल सिंह इंटर कॉलेज की टीम उप विजेता रही। पुरस्कार वितरण समारोह के अतिथि रहे माध्यमिक शिक्षक संघ प्रयागराज के जिलाध्यक्ष अनुज पाण्डेय ने खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हुए विजेता टीम के कप्तानों को ट्राफी और सभी खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किया। आयोजक प्रधानाचार्य मनीष कुमार तिवारी ने प्रतियोगिता के दौरान उपस्थित सभी प्रधानाचार्यो,खेल प्रेमियों, खेल प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों के प्रति स्वागत आभार प्रकट किया।डॉ.के.के. त्रिपाठी ने मैच का आंखों देखा हाल सुनाया।

इस दौरान प्रधानाचार्य गण,के.पी.तिवारी,संतोष सिंह,महेंद्र कुमार तिवारी,संजीव तिवारी,स्वामीनाथ त्रिपाठी,ददन सिंह,वरिष्ठ खेल प्रशिक्षक बुलंद प्रताप राय,प्रवक्ता जितेंद्र कुमार,प्रदीप श्रीवास्तव, जगतपाल, मो. परवेज सिद्दीकी, शिक्षक सुरेश कुमार,विजय सिंह, रमेश तिवारी,हरिशंकर तिवारी,मालती शर्मा सुधा सिंह, मनीष शुक्ला विश्वेश ओझा, कमला शंकर तिवारी,समेत कई विद्यालयों से आए खेल प्रशिक्षक और आयोजक विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी बच्चे एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

ऑनलाइन गेमिंग खेल का चलन जिसने अब मनोरंजन की सीमा को पार करते हुए पैसे कमाने के लालच से लत तक युवाओं को कंगाल व मणस्थल तक..!!

ऑनलाइन गेमिंग गेमों को बढ़ावा क्रिकेटर व फिल्मी स्टार आदि भी दे..!!

क्या सरकारों को इस ओर ध्यान नहीं देना चाहिए..!!

मुजफ्फरनगर। पैसा ये पैसा पैसा है कैस,नहीं कोई ऐसा जैसा ये पैसा, के हो मुसिबत ना हो मुसिबत,हो मुसिबत ना हो,मुसिबत यह एक पुरानी फिल्म का गाना है जो दर्शाता है कि पैसा चाहे वह जैसे ही कमाया जाए! जैसे आजकल देखने को भी मिल रहा है युवाओं में हुए जैसे गेमिंग का खेल खेलकर पैसे कमाने व गवाने में मजा आ रहा है और यही नही इन गेमिंग गमो को बढ़ावा क्रिकेटर व फिल्मी स्टार आदि भी दे रहे हैं!आज ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग यानी धन आधारित ऑनलाइन खेल एक ऐसा ही चलन है, जिसने अब मनोरंजन की सीमा को पार करते हुए पैसे कमाने के लालच से उपजी लत और आर्थिक नुकसान का जटिल स्वरूप ग्रहण कर लिया है। भारी तादाद में लोग इसके जाल में फंस रहे हैं और अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं। इसे लेकर पिछले काफी समय से चिंता जताई जा रही है, लेकिन सरकार ने इस पर लगाम लगाने या इसे विनियमित करने के बजाय इसके दूरगामी असर की अनदेखी की। इसके नतीजे अब खुल कर सबके सामने आ रहे हैं और चिंता की वजह बन रहे हैं। इसकी वजह से होने वाले नुकसान का दायरा व्यापक होते जाने के बाद अब जाकर खुद सरकार ने भी माना है कि 'ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग' समाज के लिए एक बड़ी समस्या बन चुकी है और इस पर लगाम लगाना वक्त की जरूरत है। अनुमान यह लगाया गया है कि धन–आधारित ऑनलाइन खेलों के चक्कर में करीब पैंतालीस करोड़ लोग हर वर्ष लगभग बीस हजार करोड़ रुपए गंवा देते हैं।इसकी लत की वजह से अब तक सैकड़ों परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद हो चुके हैं। त्रासद पक्ष यह भी है कि इस लत की वजह से ऑनलाइन खेलों के जरिए लोग पैसे कमाने की भूख में लगातार हारते जाते हैं और बाद में कई लोग आत्महत्या और हिंसा जैसा गंभीर कदम भी उठा लेते हैं। इसके नुकसानों को लेकर चिंता पहले भी जताई जाती रही है, अब देर से सही, लेकिन सरकार ने गेमिंग उद्योग के एक हिस्से से मिलने वाले राजस्व के सवाल को फिलहाल पीछे छोड़ते हुए समाज कल्याण को प्राथमिकता देना तय किया है। इस क्रम में ऑनलाइन गेम को विनियमित करने एवं शैक्षिक और सामाजिक आनलाइन खेलों को बढ़ावा देने वाले एक विधेयक को लोकसभा में पारित कर दिया गया है।सही है कि सरकार आज धन आधारित ऑनलाइन गेमिंग को एक बड़ी बुराई बताते हुए इससे बचने की जरूरत बता रही है, मगर अफसोस की बात यह है कि जब ऐसे कथित खेल लोगों के बीच अपनी जगह बना रहे थे, उन्हें समाज से काट रहे थे और इसके बहुस्तरीय नकारात्मक नतीजे सामने आने लगे थे, तब इसके प्रति जताई जाने वाली फिक्र की अनदेखी की गई।अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि खुद सरकार ने 2023 में पैसे से जुड़े ऑनलाइन गेमिंग पर अट्ठाईस फीसद जीएसटी भी लगाया था। जबकि यह छिपा नहीं है कि ऑनलाइन गेमों की लत की वजह से कितने युवाओं के सोचने–समझने की प्रक्रिया में तेजी से बदलाव आया है। कई ऐसी खबरें भी आ चुकी हैं, जिनमें लगातार ऑनलाइन गेम खेलते रहने से मना करने पर कोई किशोर हिंसक हो गया और उसने या तो आत्महत्या कर ली या फिर किसी की जान ले ली। इसलिए इसके मनोवैज्ञानिक पहलुओं को भी समझने की जरूरत है। धन–आधारित ऑनलाइन गेम को वैसे भी व्यवहार में जुए से अलग रूप में देखना मुश्किल है। मगर इस तक आसानी से पहुंच की वजह से इसका स्वरूप ज्यादा जटिल हो जाता है।

ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावली के विस्तृत पुनरीक्षण का कार्य प्रारम्भ

अर्ह भारतीय नागरिक निर्वाचक नामावली में अपना नाम करायें सम्मिलित,

बीएलओ यदि 26 अगस्त तक आपकी ग्राम पंचायत में न पहुॅचे या कोई शिकायतें हों तो करें सम्पर्क–एडीएम

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी आदित्य प्रजापति ने बताया है कि ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावली के विस्तृत पुनरीक्षण का कार्य दिनांक 19 अगस्त 2025 से प्रारम्भ हो गया है जिसके अन्तर्गत घर–घर जाकर वर्तमान निर्वाचक नामावली में परिवर्धित, संशोधित एवं विलोपित होने वाले नामों तथा नए मकानों/वर्तमान निर्वाचक नामावली में छूटे हुये मकानों के निर्वाचकों के नामों की जांच और परिवर्धन का कार्य प्रारम्भ होगा। उन्होने बताया है कि जनपद के सभी अर्ह भारतीय नागरिक निर्धारित अवधि में ही अपना नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित करा लें। ऐसे भारतीय नागरिक जो किसी ग्राम पंचायत के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत सामान्य रूप से निवास कर रहे है, दिनांक 01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष या उससे अधिक आयु पूरी कर लिये हो, अपने निवास स्थान से सम्बन्धित ग्राम पंचायत के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित कराने के लिये अर्ह होगें बशर्ते वह अन्यथा अनर्ह न हो, अनर्हताओ में भारत का नागरिक न हो या विकृत चित्त हो और उसके ऐसा होने की किसी सक्षम न्यायालय की घोषणा विद्यमान हो या निर्वाचन सम्बन्धी भ्रष्ट आचरण और अन्य अपराधों से सम्बन्धित किसी विधि के उपबन्धों के अधीन मत देने के लिये तद्रसमय अनर्ह हो।

उन्होने बताया है कि त्रुटि रहित निर्वाचक नामावली लोकतंत्र का आधार है और इसका सही बनना प्रत्येक नागरिक के सक्रिय सहयोग पर निर्भर है। अपना और अपने परिवार के सभी अर्ह सदस्यों के नाम निर्वाचक नामावली में दर्ज है अथवा नहीं की जांच कर लें। यदि दर्ज नहीं है तो अवश्य दर्ज करायें और इस हेतु घर पर पहुॅचने वाले बीएलओ को वांछित सूचना दिये बिना कदापि वापस न करें। यदि आपके अथवा आपके परिवार के किसी नाम व प्रविष्टि में कोई संशोधन होना है या किसी नाम व प्रविष्टि को विलोपित किया जाना है तो उसे घर पर पहुॅचने वाले बीएलओ को अवश्य अवगत करा दें।

उन्होने यह भी कहा है कि यदि दिनांक 26 अगस्त 2025 तक कोई बीएलओ आपकी ग्राम पंचायत में न पहुॅचे या कोई शिकायत हो तो आप तत्काल जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत), प्रभारी अधिकारी जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय), निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अपने क्षेत्र के सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अथवा खण्ड विकास अधिकारी से टेलीफोन पर अथवा व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क कर सकते है।

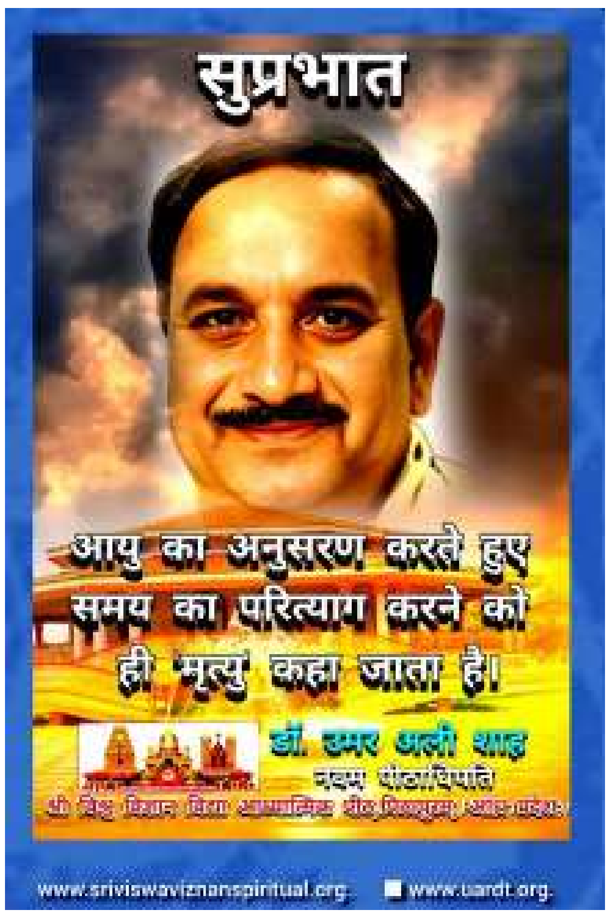

बाढ़ ने कही कहानी

(कुण्डलिया)

दर्पण–सा निर्भीक हैं, उनके सारे कथ्य।
धीरे–धीरे बाढ़ ने, दिखा दिया वह सत्य।
दिखा दिया वह सत्य,जहाँ थी घपलेबाजी।
मूरख सबको समझ, बना था खुद ही काजी।
सुन लो कहें प्रदीप, देख दुखदायी वर्षण।
दिल से करिये मदद, हमेशा बन कर दर्पण ।।

पानी ने ही खोल दी,उनकी बन्द किताब।
छद्म प्रसिद्धी के लिए, पहने सत्य नकाब।
पहने सत्य नकाब, मदद का ढोंग रचाते।
थोड़ा सा दे दान, बहुत कुछ खुद ही खाते।
सुन लो कहें प्रदीप, बाढ़ ने कही कहानी।
बाँध हुए कमजोर, बस्तियों में है पानी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सामाजिक विषमताओं और यथार्थ को उजागर करती हुई प्रेमचंद की विविध कहानियों का हुआ ईसीसी में मंचन...

प्रयागराज। तरुण शान्ति सेना और गांधी प्रार्थना समाज के संयुक्त तत्वाधान में 22 अगस्त 2025 को यूइंग क्रिश्चियन कॉलेज में प्रेमचन्द की तीन कहानियों सभ्यता का रहस्य, सत्याग्रह एवं कातिल का नाट्य मंचन किया गया। प्रेमचन्द की कहानियाँ भारतीय साहित्य में यथार्थवाद की सशक्त धरोहर मानी जाती हैं। उनकी रचनाओं में गाँव की मिट्टी की गंध है, किसानों–मज़दूरों की पीड़ा है, स्त्रियों का संघर्ष है और समाज की विसंगतियों पर करारी चोट है। "सभ्यता का रहस्य", "सत्याग्रह" और "क़ातिल" जैसी कहानियों में उन्होंने जिस सूक्ष्म दृष्टि से आमजन के जीवन का चित्रण किया है, वह आज भी उतना ही

प्रासंगिक है। यूनिवर्सिटी थिएटर द्वारा मंच पर इन्हीं कहानियों का नाट्य रूपांतरण कर दर्शकों को साहित्य, समाज और यथार्थ के गहरे सरोकारों से रुबरु कराया।

मंच पर "सभ्यता का रहस्य" के मंचन ने दर्शकों को आधुनिकता और सभ्यता के नाम पर मानवीय मूल्यों से दूर होते जा रहे मनुष्य की त्रासदी को व्यक्त किया। "सत्याग्रह" की प्रस्तुति ने महात्मा गाँधी के आदर्शों की याद दिलाई। कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय से यह संदेश दिया कि अन्याय के विरुद्ध सत्य और अहिंसा के मार्ग पर डटे रहना ही वास्तविक शक्ति है। अंत में "क़ातिल" का मंचन हुआ, जिसमें अपराध और विवशता के बीच जूझते आम आदमी का मार्मिक चित्रण किया गया। दर्शकगण इस नाट्य रूपांतरण को देखकर गहन विचार में डूबते नज़र आए। नाटकों के प्रस्तुतीकरण ने यह सिद्ध कर दिया कि साहित्य का यथार्थ रंगमंच पर उतरते ही और जीवंत हो उठता है।

विषय प्रवेश और स्वागत तरुण शांति सेना के संयोजक स्वप्निल श्रीवास्तव ने एवं धन्यवाद गांधी प्रार्थना समाज के संयोजक सुदीप तिरकी ने किया। कार्यक्रम में भौतिक विज्ञान विभाग से प्रो अशोक पाठक, अर्थशास्त्र विभाग से प्रो उमेश प्रताप सिंह, हिन्दी विभाग से डॉ गजराज पटेल एवं डॉ पद्मभूषण प्रताप सिंह , संस्कृत विभाग से डॉ अरुणेय मिश्र, प्राचीन इतिहास विभाग से डॉ जॉन कुमार और उर्दू विभाग से डॉ कहकशा सहित कई प्रतिष्ठित प्राध्यापक एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान सभागार खचाखच भरा रहा । नाट्य मंचन के सफल आयोजन ने यह सिद्ध किया कि साहित्य और रंगमंच के संगम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की राह प्रशस्त होती है। इस कार्यक्रम के लगभग 100 से अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित हुए।

आयुर्वेदिक औषधि ''विश्वास गुड हेल्थ कैप्सूल आयुर्वेदा'' को किया गया प्रतिबन्धित

प्रतापगढ़। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा0 त्रिभुवन राम ने बताया है कि लाईसेंस प्राधिकारी एवं निदेशक आयुर्वेद सेवायें उ0प्र0 लखनऊ के द्वारा मेसर्स डा0 विश्वास आयुर्वेदिक इण्डस्ट्रियल प्राइवेट लिमिटेड पता–अम्बाला हरियाणा द्वारा निर्मित आयुर्वेदिक औषधि ''विश्वास गुड हेल्थ कैप्सूल आयुर्वेदा'' को औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम 1940 की धारा 33 ईई के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में विक्री को तत्काल प्रभाव से प्रतिबन्धित किया गया है।

सम्पादकीय........

लक्ष्य की स्पष्टता से पाएं मंजिल

जीवन में सफलता पाने को कई लोग दिन–रात मेहनत करते हैं, लेकिन मंजिल दूर ही रहती है। उनकी मेहनत की कोई स्पष्ट दिशा नहीं होती। जबकि कैरियर में सफलता पाने के लिए लक्ष्य की स्पष्टता बहुत जरूरी होती है। यदि मेहनत किये जाने की दिशा ही स्पष्ट न हो, तो कामयाबी नहीं मिलती। लक्ष्य हमें हर पल याद कराये रखता है कि हमें किस ओर बढ़ना है, भटकना नहीं है। यानी लक्ष्य हमें स्पष्ट दिशा प्रदान करता है। अगर आप एक लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं तो चाहे आप जितनी मेहनत करते हों, हमेशा आगे रहेंगे। लक्ष्य उत्साहित रखता है, कठिनाइयों के समय प्रेरित करता रहता है। अगर हमारे सामने एक लक्ष्य है तो हम एक निश्चित समय के बाद आकलन कर सकते हैं कि कितना आगे बढ़े हैं? अब सुरेश को ही लें वह 12वीं पास करने के बाद से ही सिविल सर्विसेज में जाने का सपना देखता था। लेकिन उसका यह लक्ष्य स्पष्ट नहीं था। उसने कुछ दिन तक सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी की और फिर एमबीए में लग गया। एमबीए क्लीयर नहीं हुआ, तो एसएससी की तैयारी में लग गया। लेकिन पांच साल किसी क्षेत्र में सफलता नहीं मिली तो कारण समझ आया व टाइम टेबल बनाकर यूपीएससी की तैयारी की। लक्ष्य था कि दो साल के भीतर मैन्स एग्जाम पास करके इंटरव्यू तक पहुंचना है और वह तीसरे प्रयास में सचमुच सफल हो गया। इस उदाहरण का संदेश है कि अगर सफलता चाहते हैं, तो लक्ष्य से जरा भी इधर या उधर न भटकें। सुरेश से ही मिलती जुलती कहानी वनिता की है। वह एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करती थी और चाहती थी कि वह अगले कुछ सालों में कंपनी की मैनेजर बन जाए। लेकिन कितने समय के भीतर कंपनी का मैनेजर बनना है या मैनेजर बनने के लिए क्या क्या करना है, ऐसा कोई भी खाका उसके पास नहीं था। इसलिए चार साल गुजर गये लेकिन वह मैनेजर बनने के आसार नहीं लगे। एक दिन उसने अपने सीनियर से सलाह ली तो उन्होंने समझाया कि प्रमोशन पाने के लिए पहले अपने आपमें कई तरह के स्किल्स डेवलप करने होंगे। तो वनिता ने डिजिटल मार्केटिंग का सर्टिफिकेट कोर्स किया, टीम लीड प्रोजेक्ट्स लिए और खुद को एक दिशा देकर तैयार किया। आज वनिता अपनी कंपनी में मैनेजर है। हालांकि वह पांच साल के बाद मैनेजर बन सकी, लेकिन उसने प्रयास भी तो चार साल के बाद ही लक्ष्य बनाकर शुरु किए थे। ऐसी ही तीसरी कहानी कांता की है। कांता 200 मीटर की रिकॉर्ड विनर धाविका बनना चाहती थी, ताकि न सिर्फ नेशनल लेवल पर गोल्ड मेडल जीत सके बल्कि रिकॉर्ड बुक में अपना नाम भी लिखवा सके। लेकिन इस सपने को पूरा करने के लिए कभी कोई स्पष्ट लक्ष्य नहीं बनाया था। साल पर साल गुजरते जा रहे थे, लेकिन गोल्ड मेडल तो दूर, वह सिल्वर मेडल के आसपास भी नहीं फटक रही थी। जल्द ही उसे असफलता का कारण समझ में आ गया। उसने इस लक्ष्य के बारे में अपने कोच को बताया और अपनी ट्रेनिंग को दोगुना ज्यादा बढ़ा दिया। अंततः मेहनत रंग लायी। दो साल की बात दूर, उसने एक साल बाद ही गोल्ड मेडल पर निशाना साध लिया। हां, रिकॉर्ड तोड़ने के लिए कम से कम 10 महीने और उसी स्तर की मेहनत करनी पड़ी। एक अंतिम कहानी सुमित की देख लें। वह हमेशा कहता था कि मुझे इंजीनियर बनकर नौकरी नहीं करनी, अपना अंपायर खड़ा करना है। लेकिन किस क्षेत्र में, इस पर तो उसने कुछ सोचा ही नहीं। नतीजा वही हुआ साल दर साल गुजरते जा रहे थे और सुमित जिस इंजीनियर की नौकरी न करने की बात कहता था, उसी से चिपका था। अंततः एक दिन खुद को धिक्कारते हुए स्पष्ट लक्ष्य तय किया कि अगले डेढ़ साल के भीतर सोलर एनर्जी कंपनी शुरू करेगा। उसने नौकरी छोड़कर मार्केट की रिसर्च की, बिजनेस मॉडल बनाया और निवेशकों के साथ बात करके अपने लक्ष्य पर काम शुरु कर दिया। 18 महीने के बाद कंपनी तो नहीं बन सकी, पर स्टार्टअप जरूर तैयार हो गया और ढाई सालों बाद सुमित आज अपनी कंपनी का मालिक है। लब्बोलुआब यह कि जिसने भी अपनी जिंदगी में स्पष्ट लक्ष्य बनाये, वह हर हाल में सफल हुआ। इसलिए अगर आप भी अपने कैरियर में स्पष्ट कामयाबी चाहते हैं, तो अपना लक्ष्य भी स्पष्ट बनाएं व एक व्यावहारिक रूपरेखा बनाकर उस पर लग जाएं।

लोकतंत्र खत्म करने का नया पैंतरा

डॉ. दीपक पाचपोर

राहुल गांधी को मानहानि मामले में सजा के नाम पर संसद सदस्यता से बर्खास्त किया गया, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद वे फिर से सांसद बने।

संविधान को खत्म करने और लोकतंत्र को पुलिस स्टेट बनाने की दिशा में मोदी सरकार ने एक कदम और बढ़ा लिया है। बुधवार को विपक्ष के भारी विरोध के बीच केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 लोकसभा में पेश किया। हालांकि विपक्ष ने विधेयक की प्रति फाड़कर अपना विरोध दर्ज कराया। बता दें कि ये विधेयक अगर पारित होकर कानून बनता है तो फिर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों को 30 दिनों तक हिरासत में रहने की स्थिति में उनके पद से हटाए जाने का रास्ता साफ हो जाएगा। इसे आसान भाषा में इस तरह समझ सकते हैं कि मान लें जांच एजेंसियों ने प्रधानमंत्री, किसी भी मुख्यमंत्री या मंत्रियों पर भ्रष्टाचार या इसी तरह के किसी गंभीर आरोप पर जांच की, फिर गिरफ्तारी की और अगर आरोपी को पांच साल या उससे अधिक की जेल की सजा वाले अपराध के लिए लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार या हिरासत में रखा जाता है तो फिर वह अपने पद से हटा हुआ माना जाएगा। यहां अदालत की पूरी तरह से अवहेलना होगी, क्योंकि किसी मामले में दोष अदालत में ही साबित हो सकता है, मगर नया कानून बनाकर मोदी सरकार इसमें भी शार्टकट लेकर सजा देने की तैयारी कर चुकी है। विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति को भेजने का फैसला सरकार ने लिया है। ये विधेयक एक पूरी तरह से नए कानूनी ढांचे का प्रस्ताव करता है जो जम्मू–कश्मीर जैसे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों, तथा केंद्र में केंद्रीय मंत्रियों और प्रधानमंत्री पर लागू होगा। हालांकि इस में यह भी सुझाव दिया गया है कि बर्खास्त मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री को हिरासत से रिहा होने के बाद फिर से नियुक्त किया जा सकता है। लेकिन मौजूदा दौर की राजनीति बताती है कि इस तरह के कानूनों का असल मकसद किसी को पद पर लाना नहीं, बल्कि पद छीनना ही है। इन लोकसभा चुनावों से पहले विपक्ष ने संविधान बदलने के जिस खतरे से जनता को आगाह किया था, वह दरअसल अब दहलीज तक आ गया है। अगर ये नया कानून बन जाता है तो फिर इसमें कोई शक नहीं कि इसका वहां भरपूर इस्तेमाल होगा, जहां गैर भाजपाई सरकारें हैं। दरअसल भ्रष्टाचार मिटाने और स्वच्छ प्रशासन की लुभावनी बातों की आड़ में मोदी–शाह द्वय ने लोकतंत्र के लिए घातक कदम उठा लिया है, जिसमें जनादेश और अदालतों की भूमिका नगण्य रह जाएगी। मान लें कि लोकतंत्र के लिए दिखावे के लिए चुनाव हों, तब भी कोई गारंटी नहीं रहेगी कि जिसे जनता ने चुना है वही शासन करेगा। बल्कि अब शासन चलाने वाले ईडी और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों के रहमोकरम पर होंगे और असल में इनकी बागडोर केंद्र सरकार के हाथों में होगी। पिछले लोकसभा चुनाव से पहले कम से कम तीन ऐसे बड़े प्रकरण आए हैं, जिनमें विपक्ष के नेता कार्रवाई की जद में आए। राहुल गांधी को मानहानि मामले में सजा के नाम पर संसद सदस्यता से बर्खास्त किया गया, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद वे फिर से सांसद बने। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भूमि घोटाले की जांच में गिरफ्तार किया गया, हालांकि गिरफ्तारी से पहले उन्होंने इस्तीफा दे दिया था, लेकिन उनकी फरारी तक की खबरें चलाई गईं। बाद में उन पर कोई दोष साबित नहीं हुआ। दिल्ली आबकारी घोटाले में दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया। उसके बाद उन पर इस्तीफे का दबाव भी खूब बनाया गया। लेकिन श्री केजरीवाल ने अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया। आबकारी घोटाले में तो आप सरकार के कई मंत्रियों और नेताओं को जेल भेजा गया, हालांकि चुनावों के बाद से भाजपा की तरफ से इस मुद्दे पर शांति है। इन तीन बड़े मामलों के अलावा तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, केरल, प.बंगाल, आंध्रप्रदेश ऐसे तमाम गैर भाजपा शासित राज्यों में कई मंत्रियों और नेताओं पर ईडी या सीबीआई की जांच चल रही है। राहुल गांधी पर इस समय कई मुकदमे दर्ज हैं, सोनिया गांधी पर नेशनल हेराल्ड को लेकर जांच चल रही है। हालांकि इन कार्रवाइयों में दोषसिद्धि की दर बेहद कम है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने भी ईडी पर कड़ी टिप्पणी की है और उसे राजनैतिक दलों के लिए काम करने से आगाह किया है। गौर करने वाला तथ्य ये भी है कि 11 सालों में भाजपा सरकार में शामिल किसी मंत्री या मुख्यमंत्री पर कार्रवाई नहीं हुई, और प्रधानमंत्री पर तो किसी किस्म की कार्रवाई का सवाल मौजूदा परिदृश्य में तो है ही नहीं। इसका मतलब विपक्ष को कुचलने की नयी तरकीब मोदी–शाह ने निकाली है। इसके साथ ही एनडीए के घटक दलों पर भी दबाव का यह नया पैंतरा है कि अगर किसी ने मोदी सरकार के खिलाफ आवाज उठाई तो फिर 30 दिन की हिरासत का डर दिखाया जाएगा। खासकर नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के लिए ये अघोषित धमकी है, क्योंकि दोनों पर भ्रष्टाचार के आरोप खुद भाजपा ने पहले लगाए हैं। वोट चोरी के मुद्दे के बाद जनता का बड़ा वर्ग चुनावी धांधली पर सवाल उठाने लगा है। ऐसे में प्रस्तावित संशोधन विधेयक सरकार का नया पैंतरा हैं। विपक्ष इसकी आलोचना तो कर रहा है, लेकिन उसे अब एक मजबूत रणनीति बनाने की जरूरत है ताकि एक व्यक्ति वाले शासन की तरफ बढ़ने से देश को बचाया जा सके। फिलहाल देखने वाली बात ये है कि सरकार इस विधेयक को पारित कराने के लिए कौन सी चाल चलती है क्योंकि संविधान संशोधन विधेयक के लिए दो तिहाई बहुमत होना जरूरी है, जिसमें सरकार फंस सकती है।

विभाजन पर एनसीईआरटी मॉड्यूल: विकृतियाँ प्रचुर मात्रा में

राम पुनियानी

सीबीएसई बोर्ड के लिए स्कूली पाठ्यपुस्तकें तैयार करने वाली एनसीईआरटी, स्कूली पाठ्यपुस्तकों और पूरक पाठ्य सामग्री में तेजी से बदलाव ला रही है। मुख्यतः, वह सत्तारूढ़ दल के एजेंडे के अनुरूप सामग्री में बदलाव कर रही है। भाजपा हिंदू राष्ट्रवाद के एजेंडे को आगे बढ़ा रही है। वह इन पुस्तकों के माध्यम से अतीत का निर्माण कर रही है ताकि नई पीढ़ी भाजपा–आरएसएस के राजनीतिक कार्यक्रम के अनुरूप सोचे। उन्होंने पाठ्यपुस्तकों से मुगलों को पहले ही हटा दिया हैय उन्होंने हिंदुत्व राष्ट्रवाद के अपने दावे को मजबूत करने के लिए आर्यों को इस भूमि पर प्रथम आगमनकर्ता के रूप में महिमामंडित करने के लिए प्राचीन इतिहास भी प्रस्तुत किया है, क्योंकि आर्य जाति हिंदू राष्ट्रवाद के स्तंभों में से एक है। इस श्रृंखला में नवीनतम भारत के विभाजन का गलत चित्रण है। उन्होंने शविभाजन विभीषिका दिवस और विभाजनश पर दो मॉड्यूल जारी किए हैं। ये मॉड्यूल परियोजनाएँ बनाने, वाद–विवाद आदि के लिए पूरक पठन सामग्री के रूप में हैं। विभाजन पर टिप्पणी करते हुए मॉड्यूल कहता है, अंततः 15 अगस्त, 1947 को भारत का विभाजन हो गया। लेकिन यह किसी एक व्यक्ति का काम नहीं था। भारत के विभाजन के लिए तीन तत्व जिम्मेदार थेरू जिन्ना, जिन्होंने इसकी माँग कीय दूसरे, कांग्रेस, जिसने इसे स्वीकार कियाय और तीसरे, माउंटबेटन, जिन्होंने इसे लागू किया। मॉड्यूल में सरदार वल्लभभाई पटेल के हवाले से कहा गया है कि भारत में स्थिति विस्फोटक हो गई थी। भारत एक युद्धक्षेत्र बन गया था और गृहयुद्ध की बजाय देश का विभाजन करना बेहतर था। जबकि जवाहरलाल नेहरू ने इसे बुरा लेकिन अपरिहार्य बताया था। इसमें महात्मा गांधी के कथन का हवाला दिया गया है कि वे विभाजन में भागीदार नहीं हो सकते, लेकिन वे हिंसा के जरिए कांग्रेस को इसे स्वीकार करने से नहीं रोकेंगे। मॉड्यूल विभाजन का कारण मुस्लिम नेताओं की राजनीतिक इस्लाम में निहित एक अलग पहचान में विश्वास को बताता है, जिसके बारे में उनका दावा है कि यह ष्गैर–मुसलमानों के साथ किसी भी स्थायी समानता को अस्वीकार करता है।ष इसमें कहा गया है कि इसी विचारधारा ने पाकिस्तान आंदोलन को गति दी, जिसके योग्य वकील जिन्ना थे। एक तरह से यह श्फूट डालो और राज करोश की ब्रिटिश नीति की भूमिका और हिंदू सांप्रदायिकता की समानांतर और विपरीत भूमिकाओं को पूरी तरह से सफेद कर देता है, केवल मुस्लिम सांप्रदायिकता को अलग करता है, इसे राजनीतिक इस्लाम कहता है। संयोग से, उस समय राजनीतिक इस्लाम वाक्यांश गढ़ा या इस्तेमाल नहीं किया गया था, इसे मुस्लिम सांप्रदायिकता कहा जाता था। यह हिंदू सांप्रदायिकता और मुस्लिम सांप्रदायिकता के सामाजिक आधारों की भूमिका को मिटा देता है। जैसे–जैसे अंग्रेजों के आने के बाद सामाजिक परिवर्तन हो रहे थे, नए उभरते वर्ग उद्योगपति, व्यापारी, श्रमिक और आधुनिक शिक्षित वर्ग सामने आए। उनके संघ बनाए गए जिनकी परिणति भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गठन में हुई। नारायण मेघजी लोखंडे, कॉमरेड सिंगारवेलु द्वारा शुरू किए गए श्रमिक आंदोलनों ने संघों का गठन किया और श्रमिक अधिकारों के लिए। भगत सिंह और उनके साथी औपनिवेशिक शासन के अत्याचारों और समानता और उत्पीड़न की लालसा के खिलाफ सबसे शक्तिशाली अभिव्यक्ति थे। जोतिराव फुले, सावित्रीबाई फुले, भीमराव अंबेडकर और पेरियार रामासामी नायकर सामाजिक समानता के पक्षधर थे, जो राष्ट्रीय आंदोलन के समानांतर चलती थी और जिसे हमारे संविधान में स्थान मिला। पुराने, पतनशील वर्ग, जमींदार, राजा (दोनों धर्मों के) इन परिवर्तनों के उदय से विचलित हुए और उन्होंने मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा जैसे संगठन बनाए। मुस्लिम लीग मुस्लिम राष्ट्र की पक्षधर थी और हिंदू महासभा का कहना था कि हम एक हिंदू राष्ट्र हैं। हिंदू राष्ट्र के लक्ष्य के लिए 1925 में आरएसएस का उदय हुआ। इन सांप्रदायिक संगठनों ने भारतीय राष्ट्रवाद और उसके स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और सामाजिक न्याय जैसे मूल्यों का विरोध किया। अंग्रेजों ने सांप्रदायिक इतिहासलेखन की शुरुआत की, जिसे उन्होंने अपनी सुविधानुसार अपनाया और इसने सांप्रदायिक नफरत के बीज बोए, जिससे हिंसा भड़की। यही वह हिंसा थी जिसके कारण गांधी और कांग्रेस के मौलाना आजाद को विभाजन की त्रासदी को चुपचाप स्वीकार करना पड़ा। यह कहना कि कोई भी ब्रिटिश वायसराय विभाजन नहीं चाहता था, एक बहुत ही सतही बयान है। लॉर्ड वेवेल और अंग्रेजों की भूमिका राजिंदर पुरी के लेख ष्विंस्टन चर्चिल के ब्रिटिश जीवनी लेखक सर मार्टिन गिल्बर्टष् से स्पष्ट होती है, जिसमें उन्होंने खुलासा किया था कि चर्चिल ने जिन्ना से एक महिला, एलिजाबेथ गिलियट, जो चर्चिल की सचिव थीं, के नाम गुप्त पत्र भेजने को कहा था। यह गुप्त बातचीत वर्षों तक चलती रही। 1940 और 1946 के बीच जिन्ना के प्रमुख फैसले, जिनमें 1940 में पाकिस्तान की मांग भी शामिल थी, चर्चिल या लॉर्ड लिनलिथगो और वेवेल की अनुमति के बाद लिए गए थे। मूलतः अंग्रेज ही विभाजन चाहते थे। वे अपने भविष्य के लक्ष्यों को ध्यान में रख रहे थे। चूँकि उस समय विश्व में दो महाशक्तियाँ, अमेरिका और सोवियत संघ, थीं, इसलिए अंग्रेजों को डर था कि अगर भारत एकजुट रहा, तो सोवियत संघ की ओर झुक सकता है क्योंकि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता वामपंथी थे। अंग्रेजों को डर था कि भारत सोवियत संघ के साथ गठबंधन कर सकता है। इसलिए, वे इसके प्रभाव को कम करने के लिए देश का विभाजन करना चाहते थे। लॉर्ड माउंटबेटन देश को विभाजित करने का जनादेश लेकर आए थे और इसमें वे सफल भी हुए। अंतरिम सरकार में नेहरू और पटेल के साथ कांग्रेस को एहसास हुआ कि एकजुट रहना बहुत मुश्किल है। जिन्ना के सीधी कार्रवाई के आह्वान के कारण हिंसा भड़क उठी, जो एक प्रमुख कारण था जिसके कारण कांग्रेस नेतृत्व को मुस्लिम लीग की मांग माननी पड़ी, जिसे अंग्रेजों का पूरा समर्थन प्राप्त था। जहाँ तक राष्ट्रवाद की अवधारणा का सवाल है, हिंदू महासभा (और आरएसएस) और मुस्लिम लीग दोनों एकमत थे। सावरकर ने अपनी पुस्तक हिंदुत्व या हिंदू कौन है में लिखा था कि देश में दो राष्ट्र हैं, हिंदू राष्ट्र और मुस्लिम राष्ट्र। आइए ध्यान दें, दरअसल, डॉ. बी.आर. आंबेडकर इस निष्कर्ष पर पहुँचे थे कि विनायक दामोदर सावरकर और मुहम्मद अली जिन्ना, दोनों ही भारत में दो अलग–अलग राष्ट्रोंकृएक मुस्लिम राष्ट्र और दूसरा हिंदू राष्ट्रकृके बारे में पूरी तरह सहमत थे। सावरकर ने 1938 के महासभा अधिवेशन में घोषणा की थी कि हिंदू और मुसलमान एक साथ नहीं रह सकते। जिन्ना का 1940 का लाहौर प्रस्ताव भी इसी तर्ज पर था। उनकी यह समानता उनकी विचारधारा और 1942 के बाद बंगाल, सिंध और उत्तर–पश्चिम सीमांत प्रांत (छ्ँथ्च्) में हिंदू महासभा–मुस्लिम लीग गठबंधन सरकारों के गठन में परिलक्षित हुई। अब हिंदू राष्ट्रवादी विचारक चतुराई से तोड़–मरोड़कर विभाजन का दोष मुस्लिम लीग और कांग्रेस पर मढ़ रहे हैं, जबकि सच्चाई इससे बिलकुल अलग है। हालाँकि इन विचारधाराओं ने अंग्रेजों को आसानी से जाने दिया, लेकिन उनकी चतुराईपूर्ण चालाकी ने ही मुस्लिम लीग और हिंदू राष्ट्रवादियों को उनके सामाजिक कार्यों में बढ़ावा दिया, जिसके कारण यह भयावह त्रासदी हुई। और विभाजन की भयावहता इसी प्रतिस्पर्धी सांप्रदायिकता और अंग्रेजों द्वारा बिना किसी पर्याप्त निवारक उपाय के देश का विभाजन करने की जल्दबाजी के कारण थी। इसका गहरा कारण निश्चित रूप से सांप्रदायिकता थी, जिसे वैचारिक आवरण देने वाले सावरकर पहले व्यक्ति थे, जबकि दोनों सांप्रदायिकताएं समानांतर और विपरीत थीं, जिससे नफरत का माहौल बना, जिससे हिंदुओं और मुसलमानों दोनों को कठिनाइयों और बड़े पैमाने पर पलायन और पीड़ा का सामना करना पड़ा।

अशिक्षा जनित अंधविश्वास,समग्र विकास में अवरोध

संजीव ठाकुर

आश्चर्य की बात है कि आज के प्रगतिशील वैज्ञानिक युग में विज्ञान और टेक्नोलॉजी से शिक्षित जनमानस भी अंधविश्वास और रूढ़िवादिता का अंधभक्त या अनुयाई हो गया है। मकान में वास्तु दोष दूर करने के लिए अनावश्यक तोड़फोड़ और सुधार के लिए लाखों खर्च किए जाते हैं। यह अंधविश्वास का एक जीता जागता प्रमाण है। वास्तु दोष तथा अंधविश्वास को मानने वाले 90: शिक्षित युवा इस मकड़ जाल में फंसे हुए हैं। अशिक्षा और अज्ञानता ने अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता को भारत में फैलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी है। इस वैज्ञानिक युग में अत्यंत शिक्षित एवं पढ़े–लिखे लोग भी अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता के पीछे भागने लगे तो यह समाज और देश के लिए दुर्भाग्य की बात हैस यह तो तय है की शिक्षा, ज्ञान अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर के विवेकपूर्ण विचारों को सोचने की शक्ति प्रदान करता है और इसके पश्चात ही मनुष्य वैज्ञानिक आधार पर तर्क रखकर अपनी बात को मानना शुरू करता है। पूर्व में हम मानते थे कि पृथ्वी चपटी है किंतु वैज्ञानिक प्रयोगों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार यह सिद्ध हो गया कि पृथ्वी गोल है अब लोगों ने लॉजिक और वैज्ञानिक प्रमाण के आधार पर यह मान लिया है की पृथ्वी गोल ही है। शहीद भगत सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नौजवान भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास और कट्टरता हमारी प्रगति के बहुत बड़े बाधक है, वह हमारे रास्ते की बाधा साबित हुए हैं उनसे हमें हर हाल में छुटकारा पा लेना चाहिए जोकि आजाद विचारों को बर्दाश्त नहीं कर सकती उसे समाप्त हो जाना चाहिए इसी प्रकार अन्य बहुत सारी कमजोरियां भी हैं जिन पर हमें विजय प्राप्त करना होगा ,इस कार्य के लिए सभी समुदाय के क्रांतिकारी उत्साह रखने वाले नई सोच के नौजवानों की आवश्यकता हैस उन्होंने बिल्कुल सही कहा था क्योंकि युवा शक्ति ही देश में नए विचारों की क्रांति ला सकती और अंधविश्वास को समूल नष्ट करने में इनकी ऊर्जा इस कार्य के लिए लगाई जा सकती है,पर दूसरी तरफ शिक्षा का प्रचार प्रसार होना भी नितांत आवश्यक हैस शिक्षा ही ऐसा मूल मंत्र है जिससे अंधविश्वास एवं आडंबर की पोल खोली जा सकती शिक्षा से हमारा तात्पर्य विज्ञान से भी है विज्ञान ने अनेक अंधविश्वास को जन सूचियों में अविश्वास के रूप में में स्थापित किया है और शिक्षा तथा विज्ञान तकनीकी ऐसे मार्ग हैं जिन से चलकर हम न सिर्फ चांद पर पहुंचे हैं बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से पूरी दुनिया एक परिवार की तरह एक दूसरे के एकदम करीब आ चुकी है ऐसे में अंधविश्वास, धार्मिक कट्टरता एवं संप्रदायवाद की जगह कहाँ बच जाती है भला ? शिक्षा का स्तर ईतना ऊंचा हो जाना चाहिए की इन अंधविश्वासी बातों और मिथकों का अस्तित्व ही मूल रूप से विस्मृत किया जाना चाहिएस बिल्ली के रास्ता काटने से काम रुक जाता है,किसी की छींक देने से अशुभ संकेत स्थापित होने लगते हैं यदि कौवा बोलता है तो मेहमान आने का संकेत माना जाना इन सब बातों की कोई तार्किक अथवा वैज्ञानिक पृष्ठभूमि नहीं है और जनमानस द्वारा अपने दिमाग का प्रयोग कर ऐसी अतार्किक और वैज्ञानिक बातों में विश्वास करना भी अंधविश्वास को सामाजिक स्तर पर मान्यता प्रदान करता है। यह भी अशिक्षा का एक बहुत बड़ा परिणाम है। शिक्षा विज्ञान तथा तकनीकी ज्ञान समाज में तर्कसंगत बातों का विश्वास करने पर भरोसा दिलाता है और धीरे धीरे अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता से मनुष्य को परे ले जाता है। मूलतः अंधविश्वास को दूर करने के लिए हमें शिक्षा जैसे अस्त्र का इस्तेमाल तीव्र गति से किया जाना चाहिए। अंधविश्वास, तंत्र मंत्र के अधीन होकर पशुओं की बलि देना भी एक प्रकार से अंधविश्वास को बढ़ावा देना ही है, तंत्र मंत्र के विश्वास में आकर मानव न केवल पशुओं की बलि देते बल्कि बच्चों की बलि देने से भी नहीं परहेज करता है। समाज में व्याप्त अंधविश्वास तथा कट्टरपंथ का लाभ समाज के कुछ चालबाज तथा धोखेबाज लोग उठाते हैं और यही लोग इन अंधविश्वासी लोगों को भूत, प्रेत ,राहु केतु,काल सर्प दोष इत्यादि का भय दिखाकर पूजा पाठ तंत्र मंत्र के नाम से हजारों रुपए लूट लेते हैं। यह सिर्फ गांव में ही नहीं हो रहा है यह शहरों में भी बुरी तरह व्याप्त है तंत्र मंत्र तथा भूत प्रेत से छुटकारा भारत के कस्बों तथा गांव में एक व्यवसाय के रूप में विकसित हो गया है जो देश के लिए एक बड़ी विसंगति और विडंबना है। ऐसे तंत्र मंत्र और भविष्य के दर्शन कराने वाले तांत्रिकों का विज्ञापन न सिर्फ बड़े–बड़े अखबारों में बल्कि स्थापित टीवी चौनलों में भी खुल कर दिया जाता है जिससे न सिर्फ अनपढ़, अंधविश्वासी बल्कि शिक्षित लोग भी झांसे में आकर बड़ी धनराशि से हाथ धो बैठते हैं। विकसित यूरोपीय देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, आयरलैंड, फ्रांस, इजरायल तथा अन्य देशों में भी अंधविश्वास व्याप्त है किंतु भारत में अशिक्षा के कारण इसकी जड़ें थोड़ी गहरी व्याप्त हैं। शिक्षा के प्रचार–प्रसार तथा मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से अंधविश्वास को जनमानस तथा देर से दूर किया जा सकता है किंतु मूल रूप से प्राथमिक शिक्षा को एक सशक्त माध्यम रखकर अंधविश्वास एवं धार्मिक कट्टरता के विरोध में बातें रखी जाए तो देश एक अंधविश्वास मुक्त राष्ट्र बन सकता है।

ढलते सूरज के सामने क्रिस्टियानो रोनाल्डो की मंगेतर ने दिखाया किलर फिगर, लेटेस्ट तस्वीरों में फ्लॉन्ट की डायमंड रिंग

> क्रिस्टियानो रोनाल्डो की मंगेतर जॉर्जिना ने रेड सी के किनारे ढलते सूरज के सामने कातिलाना अंदाज में पोज दिए। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने ११ अगस्त को लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड जॉर्जिना रोड्रिगेज के साथ सगाई कर ली है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो की मंगेतर जॉर्जिना रोड्रिग्ज अक्सर अपने लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में जॉर्जिना रोड्रिग्ज ने अपने ग्लैमरस बीच फोटोज से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया। इन तस्वीरों में हसीना अपनी चमकदार डायमंड्स फ्लॉन्ट कर रही हैं। 31 की अर्जेंटीना–स्पेनिश मॉडल ने सफेद रंग के स्किम्पी एलो सेट में पोज दिया जिसमें शॉर्ट्स और ब्रा शामिल थे। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की मंगेतर जॉर्जिना ने रेड सी के किनारे ढलते सूरज के सामने कातिलाना अंदाज में पोज दिए। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 11 अगस्त को लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड जॉर्जिना रोड्रिगेज के साथ सगाई कर ली है। 31 साल की जॉर्जिना ने अपने हाथ में एक बड़ी हीरे की अंगूठी के साथ तस्वीर को शेयर किया। इस तस्वीर में वे रोनाल्डो का हाथ थामे हुए हैं। पिपल मैग्जीन की रिपोर्ट के मुताबिक जॉर्जिना ने जो डायमंड रिंग पहनी है वह लगभग 37 कैरेट की है। इस कैरेट की मार्केट वैल्यू की बात करें तो यह करीब 3.7 मिलियन पाउंड की है जो भारतीय करेंसी में 43 करोड़ से भी ज्यादा है। हालांकि, अलग–अलग रिपोर्ट इसकी कीमत भी अलग बता रहे हैं, लेकिन डायमंड रिंग दिखने जितना खूबसूरत है उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि उसकी कीमत करोड़ों में ही होगी। जॉर्जिना ने जो डायमंड रिंग पहनी हैं वह ओवल–कट हीरा है। यह 15 से 20 कैरेट के बीच का माना जा रहा है और इसकी कीमत 1.5 मिलियन पाउंड के करीब यानी लगभग 15 करोड़ रुपये से अधिक है। वहीं ज्वेलरी की शौकीन और सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर जूलिया चाफे का अनुमान है कि अंगूठी लगभग 35 कैरेट की है और इसकी कीमत 2.2 मिलियन पाउंड यानी लगभग 22 करोड़ रुपये तक हो सकती है। यह सेलिब्रिटी जोड़ा पिछले नौ सालों से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं, लेकिन रोनाल्डो शादी से हिचकिचाते रहे। दोनों की मुलाकात साल 2016 में हुई थी जब जॉर्जिना स्पेन में एक स्टोर में काम कर रही थीं। रोनाल्डो और जॉर्जिना के शादी से पहले दो बच्चे भी हैं। रोनाल्डो के कुल 5 बच्चे हैं। उनके तीन बच्चे सरोगेसी हुए हैं।

स्वरा भास्कर का सांसद डिम्पल यादव पर क्रश, एक्ट्रेस ने कहा– 'हम सब बाइसेक्सुअल हैं'

अभिनेत्री स्वरा भास्कर एक बार फिर अपने विचारों को लेकर सुर्खियों में हैं। लगभग हर विषय पर अपनी राय रखने वाली रांझणा स्टार ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि कैसे सभी लोग मूलतः उभयलिंगी (Bisexuals) होते हैं। स्वरा भास्कर इन दिनों अपने पति और राजनेता फहाद अहमद के साथ चल रहे रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा – जोड़ियों का रियलिटी चेक में नज़र आ रही हैं। अभिनेत्री स्वरा भास्कर राजनीतिक और गैर–राजनीतिक मुद्दों पर खुलकर बोलती हैं। फिल्मों से ज़्यादा सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी और बयानों की वजह से सुर्खियों में रहने वाली यह अभिनेत्री एक बार फिर अपने बेबाक अंदाज़ के कारण चर्चा में आ गई हैं। उन्होंने अपने पति फहाद अहमद की मौजूदगी में अपनी कामुकता के बारे में खुलकर बात की और कहा कि उन्हें उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव पर क्रश है।

स्वरा भास्कर की कामुकता पर टिप्पणी

इंडियन एक्सप्रेस स्क्रीन को दिए एक इंटरव्यू में स्वरा ने कहा, 'हम सभी बाइसेक्सुअल हैं। अगर आप लोगों को उनके हाल पर छोड़ दें, तो वे स्वाभाविक रूप से बाइसेक्सुअल हैं। विषमलैंगिकता सिर्फ़ एक मान्यता है, जो हज़ारों सालों से सांस्कृतिक रूप से मानवता में समाई हुई है।' इस दौरान अभिनेत्री के पति सामने मौजूद थे, जो चुप रहे और उनकी बातों पर ध्यान देते रहे और इस पर कोई टिप्पणी करने से बचते रहे।

डिंपल यादव हैं स्वरा की क्रश

स्वरा इन दिनों अपने पति और नेता फहाद अहमद के साथ रियलिटी शो श्पति पत्नी और पंगा–जोड़ियों का रियलिटी चेकश में नज़र आ रही हैं। इसी शो में बातचीत के दौरान होस्ट ने उनसे पूछा कि उन्हें किस पर क्रश है? और जवाब था समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव। स्वरा ने बताया कि हाल ही में वह उनसे व्यक्तिगत रूप से भी मिली थीं। इस दौरान उन्होंने साफ़ तौर पर कहा कि वह उन्हें पसंद करती हैं। इंटरव्यू में स्वरा ने मुस्कुराते हुए कहा, मैंने महाराष्ट्र में अपने पति का करियर खतरे में डाल दिया है और उनके इस बयान के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी हालात ठीक नहीं दिख रहे हैं। इसके बाद फहाद ज़ोर से हंस पड़े।

स्वरा भास्कर मातृत्व का आनंद ले रही हैं

बता दें, साल 2023 में स्वरा और फहाद ने अपनी बेटी राबिया का स्वागत किया था। शादी के सिर्फ़ 9 महीने बाद ही उनका जन्म हुआ था। फ़िलहाल, एक्ट्रेस फिल्मों से दूर हैं और अपने पति और बेटी के साथ समय बिताते हुए मातृत्व का आनंद ले रही हैं। वह सोशल मीडिया पर काफ़ी एक्टिव रहती हैं और अपनी बेबाक राय रखती हैं।

हाथों में मेहंदी, लाल चूड़ा और गोल्डन साड़ी...दुल्हन बनीं गोपी बहू, 39 साल की जिया मानेक ने बॉयफ्रेंड संग की सीक्रेट वेडिंग

साथ निभाना साथिया फेम की गोपी बहू यानि टीवी एक्ट्रेस जिया मानेक को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है जो उनके फैंस के लिए एक सप्राइज है। सीरियल साथ निभाना साथिया) फेम जिया मानेक ने आखिरकार शादी कर ली है। जी हां, आपने सही पढ़ा ऑनस्क्रीन गोपी बहू ने बॉयफ्रेंड वरुण जैन के साथ सात फेरे ले लिए।।जिया ने टीवी के जाने माने एक्टर संग ब्याह रचाया जिसे देख फैंस खुशी से झूम उठे हैं। जिया मानेक की शादी की खबर से काफी लोगों को शॉक भी लगा है क्यूंकी ये सब बिना किसी को खबर लगे हुआ। जिया ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की अनाउंसमेंट की वो पति की बाहों में नजर आईं। लुक की बात करें तो गोल्डन साड़ी में दुल्हन बनी जिया मानेक बेहद गॉर्जियस लग रही थीं। उन्होंने अपने बालों को सलीके से जूड़े में बांधा और उसे सुंदर गजरे से सजाया। अपने लुक को पूरा करने के लिए जिया ने पारंपरिक गहनों का चयन किया जिसमें रानी–हार, कमरबंद, झुमके, मांग टीका और एक छोटी सी बिंदी शामिल थी। वहीं एक्टर वरुण जैन बादामी कुर्ता पजामा में काफी जच रहे हैं। कपल ने खुशखबरी सुनाते हुए कैप्शन में लिखा हम दो दोस्त थे, आज हम पति–पत्नी हैं। अपने सभी प्रियजनों के प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए बहुत आभारी हूं जिन्होंने इस दिन को इतना खास बनाया। उनके इंस्टाग्राम पोस्ट के मुताबिक, जिया मानेक और वरुण जैन ने भूत शुद्धि विवाह किया। बता दें कि ये यौगिक काल की सबसे प्राचीन विवाह पद्धति है। भूत शुद्धि विवाह शरीर में मौजूद पांच तत्वों को सही तरीके से संगठित करने की प्रक्रिया है। जिया मानेक की बात करें तो वो साथ निभाना साथिया, तेरा मेरा साथ रहे, जिनी और जूजू और मनमोहिनी जैसे शोज कर चुकी हैं। साथ निभाना साथिया से उन्हें नेम–फेम मिला था। वरुण जैन की बात करें तो दिया और बाती हम, गुम है किसी के प्यार में और जैसे कई सीरियल में नजर आ चुके हैं। सोशल मीडिया पर जिया के फैंस उन्हे और वरुण को शादी के लिए बधाई दे रहे हैं। हालांकि ट्रोलर्स से बचने के लिए कपल ने अपने इस वेडिंग पोस्ट का कमेन्ट सेक्शन बंद कर दिया है। वरुण जैन की बात करें तो दिया और बाती हम, गुम है किसी के प्यार में और जैसे कई सीरियल में नजर आ चुके हैं।

एयरपोर्ट पर शॉर्ट्स पहने स्पॉट हुईं 66 की नीना गुप्ता, बॉडी शेमिंग करने वालों को दिया करारा जवाब

66 की नीना गुप्ता कोअपने ग्लैमरस लुक्स के लिए जाना जाता है. उनके आउटफिट काफी स्टाइलिश और सिजलिंग होते हैं। हाल ही में नीना ने एक वीडियो डाला था जिसमें उन्होंने बताया था कि कैसे जब वो एयरपोर्ट पर घंटों इंतजार कर रही होती हैं। इस वीडियो में नीना गुप्ता ढीली टी–शर्ट और शॉर्ट्स में नजर आ रही हैं। नीना ने घर के बने स्नैक्स, जैसे रोटी रोल, के बारे में जानकारी दी। लेकिन चर्चा तो नीनाके लुक्स की होने लगी। इस लुक को देखकर उनके फैंस उनकी प्रशंसा कर रहे हैं तो कुछ यूजर्स उन्हें इस उम्र में शॉर्ट्स पहनने के लिए ट्रोल कर रहे हैं। नीना ने इन ट्रोलर्स को करारा जवाब देते हुए सोशल मीडिया पर कमेंट किया। यूजर ने उनके शॉर्ट्स पहनने की आलोचना की और कमेंट किया, बहुत अच्छा। सिर्फ एक ही रिक्वेस्ट है कि अपने पैर मत दिखाओ, ये टोंड नहीं हैं। हमने दादी–मम्मी को अपने पैर दिखाते हुए नहीं देखा. ग्रेसफुली एजिंग होना शानदार है। इस कमेंट के बाद कई लोग नीना के सपोर्ट में आएष एक ने लिखा– एक दूसरी महिला के लिए ये कितना नीचा दिखाने वाला कमेंट है। ऐसे बॉडी शेमर होने के लिए और इस परेशानी का हिस्सा होने के लिए बधाई। जब नीना ने ये सब देखा तो उन्होंने भी रिएक्ट किया। उन्होंने लिखा– चिंता मत करिए जो लोग इस तरह की बातें करते हैं वो वास्तव में जलते हैं कि उनके पास ऐसी बॉडी क्यों नहीं है इसीलिए प्लीज इग्नोर।

बेदाग निखार पाने के लिए डाइट में शामिल करें ये फूड्स, खिला-खिला दिखेगा चेहरा

घरेलू नुस्खों के इस्तेमाल से स्किन की रंगत को निखारा जा सकता है। हालांकि ग्लोइंग स्किन के लिए सिर्फ स्किन केयर की जरूरत नहीं होती है। इसके लिए कुछ फूड्स होते हैं, जोकि स्किन के लिए जरूरी होते हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे ही सुपरफूड्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

गर्मी में धूल-पसीने की वजह से हमारी स्किन पर बुरा असर पड़ता है। इससे चेहरे की रंगत डाउन हो जाती है। लड़कियों को अपनी स्किन की सबसे ज्यादा चिंता होती है। ऐसे में लड़कियां मार्केट से कई तरह के महंगे प्रोडक्ट्स खरीदकर इस्तेमाल करती हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट्स में केमिकल्स मिले होते हैं। जिस कारण यह स्किन के लिए हानिकारक होते हैं। ऐसे में आप घरेलू नुस्खे अपना सकती हैं, जिनके आपको ढेरों लाभ मिलते हैं।

इन घरेलू नुस्खों के इस्तेमाल से स्किन की रंगत को निखारा जा सकता है। हालांकि ग्लोइंग स्किन के लिए सिर्फ स्किन केयर की जरूरत नहीं होती है। इसके लिए कुछ फूड्स होते हैं, जोकि स्किन के लिए जरूरी होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे ही सुपरफूड्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको दमकती हुई स्किन लौटाने का काम करेंगी।

फल और सब्जियां

फल और सब्जियों में एंटीऑक्सीडेंट्स की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यह आपकी स्किन को जवां बनाए रखने में मदद करता है। आपको अपनी डाइट में मौसमी फलों और हरी सब्जियों को शामिल करना चाहिए। इससे आपको नूरानी निखार मिलेगा।

बेरीज

बेरीज जैसे ब्लूबेरीज और स्ट्रॉबेरीज भी स्किन के लिए काफी फायदेमंद है। यह एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी का अच्छा स्त्रोत है। अगर आप अपनी डाइट में बेरीज को शामिल करती हैं, तो स्किन के दाग-धब्बे दूर होते हैं। वहीं फ्री रेडिकल्स से भी छुटकारा मिलता है और स्किन जवां बनती है।

नट्स और सीड्स

ग्लोइंग स्किन के लिए डाइट में नट्स और सीड्स जरूर शामिल करना चाहिए। नट्स और सीड्स में ओमेगा 3 फैटी एसिड, जिंक, प्रोटीन और सिलेनियम पाया जाता है, जोकि स्किन के लिए फायदेमंद होते हैं। इसका सेवन करने से स्किन सॉफ्ट बनती है और गजब का निखार आता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी सिर्फ वेट लॉस के लिए नहीं बल्कि यह हमारी स्किन को भी जबरदस्त फायदे पहुंचाती हैं। यह स्किन को रेडनेस और सनटैन से बचाती है। ग्रीन टी का सेवन करने से हमारी स्किन यंग नजर आती है।

आंवला

आंवला में विटामिन सी की अच्छी मात्रा पाई जाती है। यह हमारी त्वचा के साथ बालों के भी फायदा पहुंचाने का काम करती है। आंवला को डाइट में कई तरह से शामिल कर सकते हैं। आप आंवला की अचार, चटनी, मुरब्बा और कैंडी के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं आंवला का जूस भी पिया जा सकता है।

आंखों में दिखता है लिवर गलने का पहला लक्षण, समय रहते खाना शुरू करें ये एक चीज

आजकल बिना शराब पिए भी लिवर खराब हो रहा है। इस स्थिति को नॉन-एल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज कहा जाता है। इसमें लिवर की कोशिकाओं में चर्बी जमा हो जाती है, जो धीरे-धीरे लिवर डैमेज और यहां तक कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। लेकिन राहत की बात ये है कि एक आयुर्वेदिक पौधा शरपुंखा इसमें बेहद असरदार साबित हुआ है, और इसका वैज्ञानिक आधार भी है।

लिवर खराब होने का आंखों में दिखने वाला संकेत

अगर आपकी आंखों का रंग पीला पड़ने लगे, तो यह लिवर डैमेज की तरफ इशारा हो सकता है। साथ ही स्किन भी पीली हो सकती है। इस स्थिति को पीलिया कहते हैं, जिसमें खून में बिलिरुबिन नामक तत्व की मात्रा बढ़ जाती है। यह तब होता है जब लिवर अपना फिल्टरिंग काम ठीक से नहीं कर पाता।

आंखों में दिखने वाला लिवर डैमेज का संकेत

अगर आपकी आंखें पीली नजर आने लगें, तो यह एक गंभीर संकेत हो सकता है कि आपका लिवर ठीक से काम नहीं कर रहा है। लिवर के कमजोर होने पर खून में बिलिरुबिन नामक पदार्थ बढ़ जाता है, जिसे लिवर फिल्टर नहीं कर पाता। इसका नतीजा होता है पीलिया, जिसमें आंखों और त्वचा का रंग पीला हो जाता है। यह फैटी लिवर या लिवर फेलियर की शुरुआत हो सकती है।

लिवर खराब होने के अन्य लक्षण

लिवर जब धीरे-धीरे खराब होने लगता है, तो शरीर कुछ छोटे लेकिन अहम संकेत देता है। पेट के दाईं ओर हल्का दर्द, बार-बार थकावट महसूस होना, हल्का बुखार या हरारत रहना, त्वचा में खुजली, सांस फूलना, पैरों में सूजन, हथेलियों का लाल हो जाना, और त्वचा पर मकड़ी-जैसी नसें उभर आना ये सभी फैटी लिवर की ओर इशारा करते हैं। इन संकेतों को नजरअंदाज करना आगे चलकर खतरनाक हो सकता है।

शरपुंखाः लिवर का आयुर्वेदिक रक्षक

फैटी लिवर के इलाज के लिए वैज्ञानिकों ने आयुर्वेदिक पौधे शरपुंखा पर रिसर्च की। उन्होंने देखा कि जब लिवर रोगियों को शरपुंखा पाउडर दिया गया, तो उनकी हालत में तेजी से सुधार हुआ। खास बात ये रही कि ये फायदा बिना किसी दवा के मिला और शरीर को कोई नुकसान भी नहीं हुआ। यह शोध (नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन) में प्रकाशित हुआ है।

शरपुंखा पाउडर कैसे करें इस्तेमाल?

शोध में सबसे पहले मरीजों को पेट साफ करने के लिए हरितकी पाउडर दिया गया। इसके बाद उन्हें शरपुंखादि पाउडर के 2 कैप्सूल (हर एक में 500उह) दिन में तीन बार, खाने से पहले गुनगुने पानी के साथ दिए गए। ये उपचार लगातार 8 हफ्ते तक चलाया गया और इसके साथ ही मरीजों की लाइफस्टाइल और खानपान में भी बदलाव किया गया।

शरपुंखा के फायदे क्या हैं?

शरपुंखा सिर्फ लिवर ही नहीं बल्कि शरीर के अन्य हिस्सों के लिए भी फायदेमंद है। यह लिवर और किडनी को डिटॉक्स करता है और उनके कार्य को बेहतर बनाता है। इसके अलावा यह ब्लड शुगर कंट्रोल, एनीमिया से बचाव, और शरीर से हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करने में भी मदद करता है। इसका नियमित सेवन शरीर की रोग प्रतिरोध‍क क्षमता को भी मजबूत करता है।

लाइफस्टाइल में करें ये जरूरी बदलाव

फैटी लिवर से बचने या उसे ठीक करने के लिए लाइफस्टाइल में बदलाव करना जरूरी है। सबसे पहले हेल्दी डाइट लें जिसमें ताजा फल, सब्जियां और कम फैट वाला खाना हो। फास्ट फूड और शराब से दूर रहें। दिनभर में 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं। रोजाना 30 मिनट की वॉक या एक्सरसाइज करें। समय-समय पर लिवर डिटॉक्स करने वाले प्राकृतिक उपाय भी आजमाएं।

समय-समय पर लिवर डिटॉक्स करें

यह लेख केवल जानकारी के उद्देश्य से लिखा गया है। किसी भी तरह की स्वास्थ्य समस्या में डॉक्टर से सलाह जरूर लें। आयुर्वेदिक इलाज शुरू करने से पहले किसी योग्य आयुर्वेदिक विशेषज्ञ की राय जरूर लें।

बरसात के मौसम में भी घर को रखना है फ्रेश, तो ये तरीके आएंगे बड़े काम

बरसात का मौसम जहां ठंडक और सुकून लाता है, वहीं नमी, बदबू और गंदगी की वजह से घर में ताजगी बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होती है। छोटे-छोटे घरेलू उपाय आपके घर को हमेशा फ्रेश और पॉजिटिव एनर्जी से भर देंगे। यहां कुछ आसान और असरदार टिप्स दिए जा रहे हैं, जिनसे आप बरसात में घर को ताजा और फ्रेश रख सकते हैं।

घर की सफाई और नमी से बचाव

फर्श की नियमित सफाईः गीली मिट्टी और पानी से फर्श जल्दी गंदा हो जाता है। रोज पोंछा लगाएं और पानी में डिसइंफेक्टेंट या फिनाइल मिलाएं।

वेंटिलेशन जरूरी हैः खिड़कियाँ और दरवाजे खोलकर घर मेंताजी हवा और रोशनी आने दें। इससे नमी और फफूंदी (उवसक) बनने की संभावना कम होगी।

फर्नीचर की देखभालः लकड़ी के फर्नीचर पर नमी से फफूंदी लग सकती है। उस पर समय-समय पर ड्राई कपड़े से पोंछें और नेफ्थलीन बॉल्स या सिलिका जेल रखें।

अगरबत्ती या एसेंशियल ऑयलः लैवेंडर, लेमनग्रास या सैंडलवुड जैसे एसेंशियल ऑयल डिफ्यूजर में इस्तेमाल करें। इससे घर हमेशा सुगंधित रहेगा।

प्राकृतिक उपायः एक कटोरी में बेकिंग सोडा या कॉफी बीन्स रख दें, ये बदबू को सोख लेंगे। नींबू और लौंग का मिश्रण भी प्राकृतिक फ्रेशनर का काम करता है।

कपड़ों और पर्दों की देखभाल

बरसात में कपड़े अक्सर जल्दी सूखते नहीं। उन्हें धूप या पंखे के नीचे सुखाएँ और समय-समय पर आयरन करें ताकि सीलन की गंध न आए। हर हफ्ते पर्दे और बेडशीट बदलें ताकि ताजगी बनी रहे।

बोनस टिप्स

घर में इनडोर प्लांट्स जैसे मनी प्लांट, स्नेक प्लांट या एलोवेरा लगाएं। ये नमी को बैलेंस करके घर को फ्रेश रखते हैं। शाम को हल्की रोशनी और फूलों का गजरा सजाकर घर को और खुशनुमा बना सकते हैं।बरसात में घर को ताजा और साफ रखने के लिए नमी से बचाव, सफाई, खुशबू और वेंटिलेशन सबसे जरूरी हैं।

राधाष्टमी पर पाएं गॉर्जियस लुक, ये फ्लोरल एथनिक आउटफिट्स हैं सबसे ट्रेंडिंग

जन्माष्टमी के बाद राधाष्टमी का पर्व मनाया जाता है। इस बार 31 अगस्त को राधाष्टमी का पर्व मनाया जा रहा है। लेकिन अगर आप इस मौके पर कंफ्यूज हैं कि आपको कौन सा आउटफिट पहनना चाहिए, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे सूट डिजाइन के बारे बताने जा रहे हैं, जिनको आप राधाष्टमी के मौके पर पहनकर अपनी खूबसूरती बढ़ा सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंटेड राउंड नेक अनारकली सूट

हर साल की तरह इस साल भी यदि आप राधाष्टमी के मौके पर सबसे अलग और खूबसूरत नजर आना चाहती हैं, तो आप खूबसूरत फ्लोरल प्रिंटेड राउंड नेक अनारकली सूट को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के सूट आप मार्केट से कपड़ा लाकर बनवा सकती हैं। या फिर इस सूट को ऑनलाइन खरीद सकती हैं। इस सूट को पहनकर आप बला की खूबसूरत नजर आएंगी।

फ्लोरल चंदेरी सिल्क कुर्ता सेट

हर साल की तरह इस बार भी अगर आप राधाष्टमी के पर्व को खास और यादगार बनाना चाहती हैं, तो आप खूबसूरत फ्लोरल चंदेरी सिल्क कुर्ता सेट ट्राई कर सकती हैं। इसको पहनकर आपका लुक स्टाइलिश और खूबसूरत दिखेगा।

फ्लोरल प्रिंटेड एम्पायर कुर्ता सेट

राधाष्टमी के खास मौके पर अगर आप कुछ अलग या यूनिक ट्राई करने का सोच रही हैं, तो आप फ्लोरल प्रिंटेड एम्पायर कुर्ता सेट कैरी कर सकती हैं। इन दिनों इस तरह के सूट काफी चर्चा में हैं। यह सूट अधिकतर लड़कियों को पसंद आ रहे हैं। ऐसे में राधाष्टमी के खास मौके पर यह आपके लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है। इसको पहनकर आप अपनी खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंटेड रेगुलर कुर्ता सेट

अगर आप भी राधाष्टमी के दिन एक जैसे कपड़े पहनने की बजाय कुछ अलग ट्राई करने का सोच रही हैं, तो फ्लोरल प्रिंटेड रेगुलर कुर्ता सेट एक बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। राधाष्टमी पर इस तरह का सूट पहनकर आप सुंदर हसीना से कम नहीं लगेंगी। यह सूट आपको गॉर्जियस लुक देने में सहायता करेगा। इस तरह का सूट आप ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

संक्षिप्त

डाक विभाग और एमएसएसआईडीसी में रणनीतिक साझेदारी, एमएसएमई को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली। एमएसएमई को मजबूत देने के लिए डाक विभाग और महाराष्ट्र लघु उद्योग विकास निगम लिमिटेड (एमएसएसआईडीसी) ने एक रणनीतिक समझौता किया है। इस सहयोग का उद्देश्य राज्य के एमएसएमई उद्यमों को व्यापक बाजार तक पहुंच, तेज लॉजिस्टिक समाधान और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अधिक दृश्यता उपलब्ध कराना है। यह पहल केंद्र सरकार की रेजिंग एंड एक्सीलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (आरएमपी) प्रोग्राम के तहत की गई है। इसके जरिए राज्य के एमएसएमई क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बढ़ाने के लिए संस्थागत सहयोग को मजबूत किया जाएगा। महाराष्ट्र सर्किल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल अमिताभ सिंह की उपस्थिति में भारतीय डाक के एपीएमजी बीडी डॉ. सुधीर जी झाकेरे और एमएसएसआईडीसी की संयुक्त प्रबंध निदेशक प्रशाली जाधव दिघावकर ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भारतीय डाक विभाग– एक समृद्ध विरासत

डाक विभाग 170 वर्षों से अधिक की अपनी समृद्ध विरासत के साथ भारत के संचार और वित्तीय समावेशन ढांचे की आधारशिला रहा है। 1,65,000 से अधिक डाकघरों के विश्व के सबसे बड़े नेटवर्क के साथ, डाक विभाग ने देश के सामाजिक–आर्थिक विकास में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है। यह डाक और पार्सल डिलीवरी, लघु बचत योजनाओं जैसी वित्तीय सेवाएं, डाक जीवन बीमा (पीएलआई) और ग्रामीण डाक जीवन बीमा (आरपीएलआई) सहित सेवाओं की एक विस्तृत शृंखला प्रदान करता है। साथ ही प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) योजनाओं के लिए भारत सरकार के एजेंट के रूप में भी कार्य करता है।

एमएसएसआईडीसी लघु उद्योगों को बढ़ावा देता रहा है

19 अक्टूबर 1962 को स्थापित एमएसएसआईडीसी महाराष्ट्र में लघु उद्योगों को बढ़ावा देने और पोषित करने में अग्रणी रहा है। राज्य भर में लगभग 30,000 लघु उद्योगों को सहायता प्रदान करने के साथ, एमएसएसआईडीसी लघु उद्योगों को सहायता, वित्तपोषण, संरक्षण और प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे टूटकर 87.36 प्रति डॉलर पर

अमेरिकी डॉलर की बढ़ती मांग के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 11 पैसे टूटकर 87.36 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में तेज गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.37 पर खुला। फिर 87.36 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती 18 पैसे की गिरावट के साथ 87.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.72 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 262.05 अंक की गिरावट के साथ 81,738.66 अंक पर जबकि निफ्टी 81.55 अंक फिसलकर 25,002.20 अंक पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 67.55 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को लिवाल रहे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,246.51 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

कार, एसयूवी और टू व्हीलर होने जा रहे हैं सस्ते

भारत में वस्तु एवं सेवा कर (GST) की दरों में प्रस्तावित बदलाव ने एक बार फिर से ऑटोमोबाइल क्षेत्र को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। लग्ज़री गाड़ियों और तथाकथित शसिन गुड्सश पर मौजूदा 50प्रतिशत तक कर बोझ घटाकर इसे 40: पर लाने का प्रस्ताव है। यदि ऐसा होता है तो न केवल छोटे वाहनों और दोपहिया वाहनों की कीमतें कम होंगी, बल्कि बड़े सेडान और एसयूवी जैसे महंगे वाहनों पर भी उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। हम आपको बता दें कि इस समय चार मीटर से लंबी और अधिक इंजन क्षमता वाली गाड़ियों पर 28: जीएसटी और 22: सेस लगता है। यदि सेस हटाकर एक समान 40: जीएसटी लगाया गया तो ऐसी गाड़ियों की कीमतों में उल्लेखनीय कमी आ सकती है। हालांकि, कुछ राज्यों ने मांग की है कि ऊँचे दर्जे की गाड़ियों पर अतिरिक्त सेस लगाया जाए, ताकि राज्यों के राजस्व में कमी न आए। इसके अलावा, सरकार के सूत्रों के अनुसार छोटे वाहनों और टू–व्हीलर्स पर कर का बोझ 29: से घटकर 18: हो सकता है। इसका लाभ सीधे आम उपभोक्ता को मिलेगा। भले ही एसयूवी खरीदने वालों के लिए मूल्य में कमी का अनुपात अधिक होगा, लेकिन दोपहिया वाहन क्षेत्र में यह कदम ग्रामीण और अर्धशहरी उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण राहत बन सकता है। हम आपको बता दें कि वर्तमान में इलेक्ट्रिक वाहनों पर सिर्फ 5: जीएसटी है। अगर पेट्रोल और डीज़ल से चलने वाले वाहनों पर कर बोझ घटाया गया तो ईवी और पारंपरिक वाहनों के बीच कर अंतर घट जाएगा। अभी यह अंतर 23 प्रतिशत अंक का है, लेकिन प्रस्तावित कटौती के बाद यह घटकर 13 प्रतिशत अंक रह जाएगा। यह स्थिति ईवी सेक्टर के लिए हानिकारक हो सकती है, विशेषकर दोपहिया वाहनों के दायरे में जहाँ कीमत उपभोक्ता के लिए सबसे बड़ी बाधा है। देखा जाये तो सरकार और उपभोक्ता दोनों की चिंता है कि क्या ऑटोमोबाइल उद्योग वास्तव में इस कर कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँचाएगा। हम आपको बता दें कि अतीत में कंपनियों पर आरोप लगे हैं कि उन्होंने टैक्स रियायतों का लाभ खुद की जेब में रखा और कीमतों में अपेक्षित कमी नहीं की। भले ही इस मामले में एंटी–प्रॉफिटियरिंग क्लॉज लागू नहीं होता, लेकिन सरकार का दबाव रहेगा कि कंपनियाँ लाभ को कीमतों में परिलक्षित करें ताकि मंदी झेल रहे ऑटो सेक्टर में मांग बढ़ सके।

एशिया कप टी20 के सात अन्य देशों के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड, सिर्फ इन दो टीमों के खिलाफ मिली हार

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 की तैयारियों के बीच, भारतीय टीम का रिकॉर्ड और आगामी मुकाबलों का कार्यक्रम अब क्रिकेट फैंस के लिए चर्चा का विषय बन चुका है। टीम इंडिया ने इस टूर्नामेंट के इस संस्करण के सात अन्य देशों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया है और सिर्फ पाकिस्तान और श्रीलंका जैसी दो टीमों के खिलाफ ही हार झेली है। एशिया कप टी20 का यह तीसरा संस्करण है। इससे पहले यह टूर्नामेंट 2016 और 2022 में खेला गया था। 2016 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया चौंपियन बनी थी, जबकि 2022 में श्रीलंका ने खिताब पर कब्जा जमाया था।भारत ने एशिया कप टी20 में 2016 और 2022 संस्करण को मिलाकर कुल 10 मैच खेले हैं और इसमें से आठ में जीत हासिल की है। पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ 2022 में टीम इंडिया को दो मैचों में हार मिली थी।

भारत सात में से छह टीमों के खिलाफ खेल चुका

मौजूदा संस्करण की सात टीमों में से छह टीमों के खिलाफ भारत 2016 और 2022 में खेल चुका है। इनमें बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, हांगकांग, श्रीलंका और यूएई शामिल हैं। ओमान के खिलाफ भारत इस साल पहली बार इस टूर्नामेंट में खेलेगा। बाकी की छह टीमों के खिलाफ भारत ने कुल 10 मैच खेले हैं। इसमें से भारत ने सात आठ मैच जीते हैं और दो में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। भारत जिन दो टीमों के खिलाफ हारा है, उनमें पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं। इन दोनों टीमों के खिलाफ भारत को 2022 में एक–एक बार हार का सामना करना पड़ा था। पाकिस्तान ने भारत को सुपर–फोर मैच में पांच विकेट से और श्रीलंका ने सुपर–फोर राउंड में ही छह विकेट से शिकस्त दी थी।

पाकिस्तान के खिलाफ तीन में से दो मैच जीते

भारत ने एशिया कप टी20 में बांग्लादेश के खिलाफ दो में से दोनों मैच जीते हैं। वहीं, पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम ने तीन में से दो मैच जीते हैं और एक में हार का सामना करना पड़ा। अफगानिस्तान के खिलाफ एशिया कप टी20 में भारत ने एक मैच खेला है और उसे जीता है। हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ भारत ने एक मैच खेला है और उसमें जीत हासिल की। श्रीलंका के खिलाफ भारत ने दो मैच खेले हैं और एक में उन्हें जीत मिली, जबकि दूसरे में हार का सामना करना पड़ा।

यूएई के खिलाफ भारत ने एक मैच खेला है और जीत हासिल की है।

टी20 में बाकी सात टीमों के खिलाफ रिकॉर्ड

ओमान के खिलाफ भारत पहली बार टी20 में उतरेगा। अन्य छह टीमों के खिलाफ टीम इंडिया के टी20 रिकॉर्ड की बात करें तो कुल 73 मैचों में से 55 में जीत हासिल की है। 13 टी20 मैचों में भारत को हार का सामना करना पड़ा है, जबकि दो मैच बेनतीजा रहे हैं। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ 32 टी20 मैच खेले हैं और इनमें से 21 में जीत हासिल की है। नौ मुकाबलों में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा, जबकि एक मैच टाई और एक मैच बेनतीजा रहा है। बांग्लादेश के खिलाफ भारत ने 17 टी20 मुकाबले खेले हैं। इनमें से 16 में टीम इंडिया को जीत मिली है और एक में हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने 13 टी20 मुकाबले खेले हं। इनमें से भारत ने नौ मुकाबले जीते हैं और तीन में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। एक मैच टाई रहा है। अफगानिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम ने नौ टी20 खेले हैं। इनमें से टीम इंडिया को सात में जीत मिली। एक मैच टाई रहा और एक का कोई नतीजा नहीं निकला। हॉन्गकॉन्ग और यूएई के खिलाफ टी20 में भारत ने एक–एक मैच खेला है। दोनों ही मुकाबलों में भारतीय टीम को जीत मिली।

नौ सितंबर से टूर्नामेंट का आगाज

एशिया कप टी20 टूर्नामेंट का आगाज अगले महीने से होने जा रहा है। नौ सितंबर से 28 सितंबर तक टी20 प्रारूप में चलने वाले इस टूर्नामेंट का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। खासतौर पर इंतजार भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले हाईवोल्टेज मुकाबले को लेकर है। टूर्नामेंट के शेड्यूल के मुताबिक, यह मैच 14 सितंबर को दुबई में होना है। हालांकि, अभी तक यह तय नहीं है कि भारतीय टीम यह मैच खेलेगी या नहीं। वहीं, भारत अपना पहला मैच 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ खेलेगा।

भारत–श्रीलंका के नाम एक–एक खिताब

सबसे पहले आपको यह बता दें कि एशिया कप वनडे और टी20 दोनों प्रारूपों में खेला जाता है। अगले साल होने वाले आईसीसी के मेजर टूर्नामेंट को देखते हुए इसका प्रारूप तय किया जाता है। उदाहरण के तौर पर अगले साल टी20 विश्व कप खेला जाना है, इस वजह से इस साल एशिया कप टी20 प्रारूप में खेला जा रहा है। वहीं, 2023 में वनडे विश्व कप हुआ था। इस वजह से उस साल एशिया कप वनडे प्रारूप में खेला गया था।

1984 में हुई थी टूर्नामेंट की शुरुआत

1984 में इस टूर्नामेंट की शुरुआत हुई थी और तबसे लेकर 2014 तक यह टूर्नामेंट वनडे प्रारूप में ही खेला गया था। 2016 में पहली बार एशिया कप का आयोजन टी20 प्रारूप में हुआ था। फिर 2022 में दूसरी बार यह टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला गया। 2018 और 2023 में यह वनडे प्रारूप में खेला गया था। 2016 में भारत ने, जबकि 2022 में श्रीलंका ने एशिया कप टी20 अपने नाम किया था। वनडे और टी20, दोनों प्रारूपों को मिला दिया जाए, तो भारत कुल आठ बार चौंपियन बना है। इसके बाद श्रीलंका का नंबर आता है। यह टीम छह बार एशिया कप का खिताब जीत चुकी है। वहीं, पाकिस्तान की टीम दो बार चौंपियन बनी है।

इंग्लैंड ने किया अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान, हीथर नाइट को स्क्वॉड में मिली जगह

आगामी महिला वनडे वर्ल्ड 2025 के लिए इंग्लैंड ने अपनी 15 सदस्यीय महिला टीम का ऐलान कर दिया है। जहां पूर्व कप्तान हीथर नाइट को स्क्वॉड में जगह मिली है। वहीं टीम में साराह ग्लेन और डेनी व्याट–हॉज की भी वापसी हुई है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (म्ब्ठ) द्वारा जारी प्रेस रिलीज के अनुसार नाइट को टीम में शामिल किया गया है लेकिन उनकी चोट से उबरने की प्रक्रिया जारी है और उन्हें 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाले टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है। साथ ही टीम में शामिल चार अनुभवी स्पिनरों में से ग्लेन एक हैं। वह उन छह खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें पहली बार विश्व कप टीम में जगह मिली है। इसके अलावा यह कप्तान के रूप में नैट स्किवर–ब्रंट का पहला आईसीसी टूर्नामेंट है। बता दें कि, दुनिया की नंबर एक वनडे बल्लेबाज स्किवर–ब्रंट को अप्रैल में सभी प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया गया था। व्याट–हॉज की भी टीम में वापसी हुई है। वह इंग्लैंड की ओर से पिछली बार 50 ओवर के प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में हार के दौरान खेली थी। केट क्रॉस, माइया बूचियर और एलिस डेविडसन–रिचड्र्स को टीम में जगह नहीं मिली है। यह टूर्नामेंट नई कप्तान स्किवर–ब्रंट और मुख्य कोच चार्लोट एडवड्र्स में मार्गदर्शन में देश का पहला विश्व कप होगा। ऑस्ट्रेलिया ने 2022 के फाइनल में इंग्लैंड को हराकर खिताब जीता था।

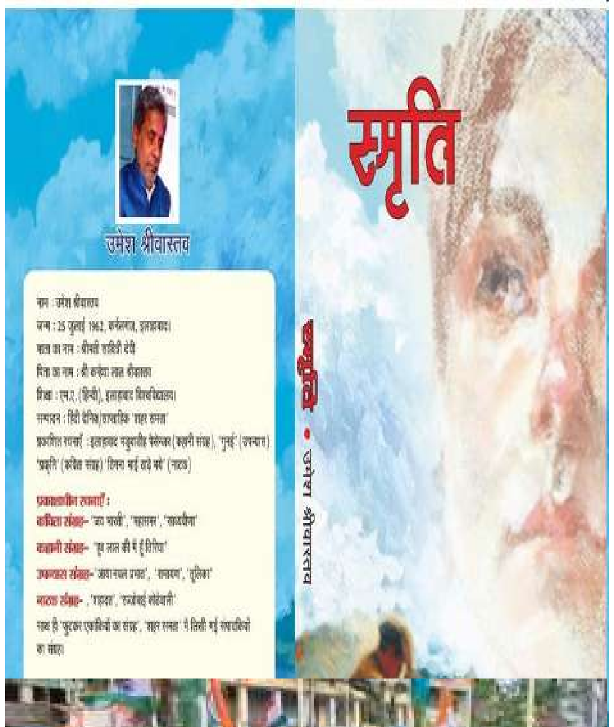

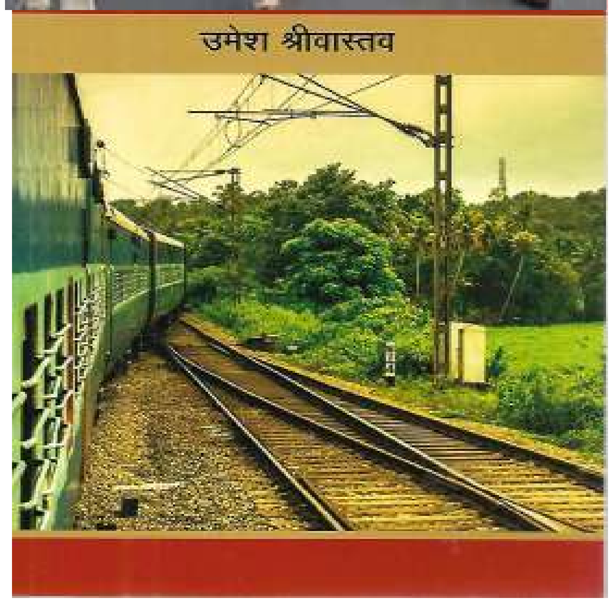

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

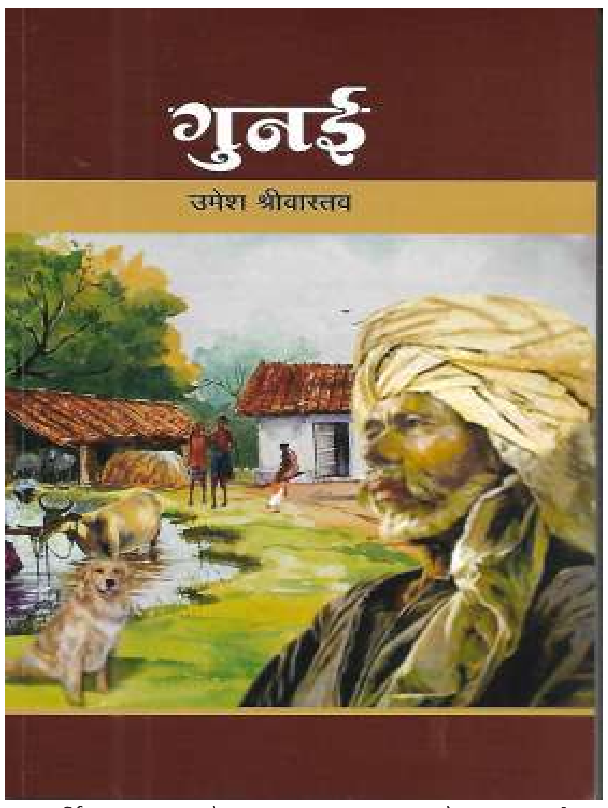

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

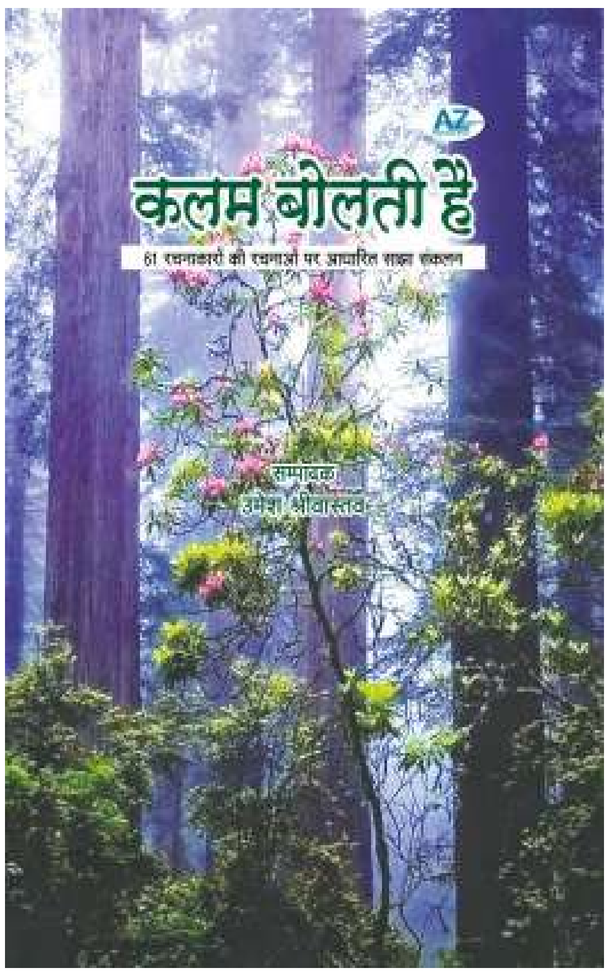

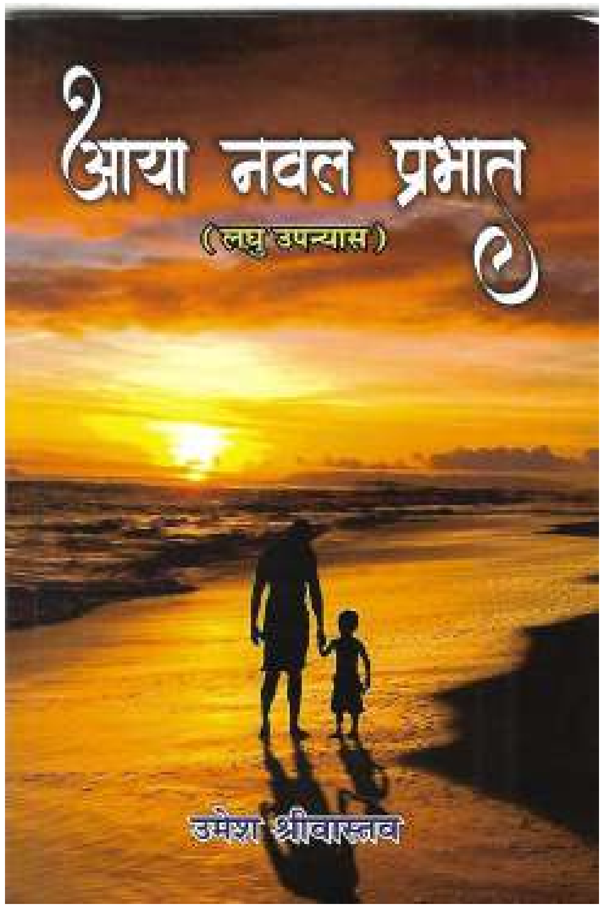

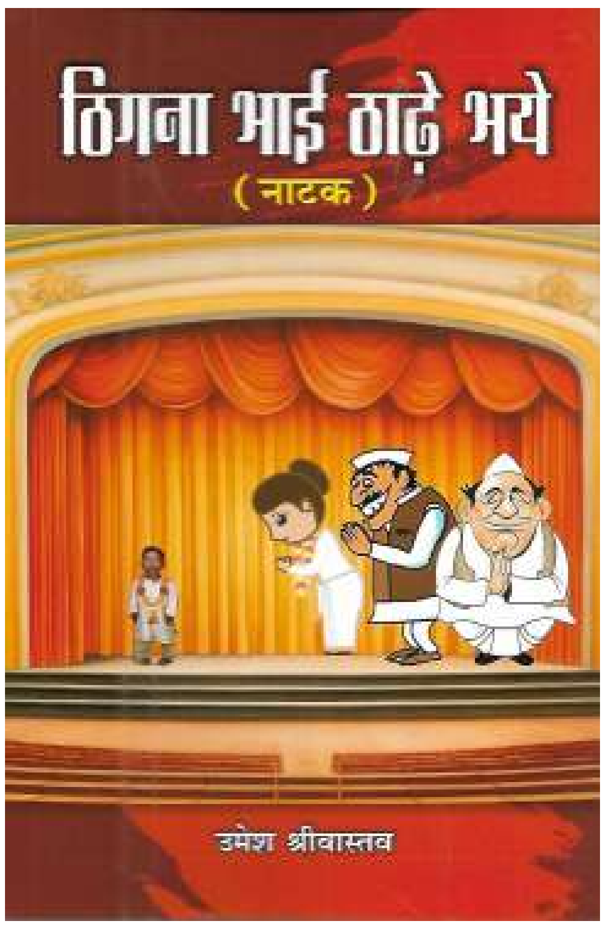

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ब्राजील पुलिस ने पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो पर एक साल में 50 लाख डॉलर हासिल करने का आरोप लगाया

ब्राजील पुलिस ने पूर्व राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो पर मार्च 2023 से फरवरी 2024 के बीच बिना किसी स्पष्ट औचित्य के बड़ी मात्रा में धनराशि हासिल करने का आरोप लगाया है। एसोसिएटेड प्रेस को हासिल हुए दस्तावेजों से यह बात सामने आई है। इन दस्तावेजों के सामने आने के कारण पहले ही मुश्किलों में घिरे बोलसोनारो की परेशानियां और बढ़ सकती हैं। जांचकर्ताओं ने कहा है कि ब्राजील की वित्तीय मामलों पर नजर रखने वाली संस्था को संदेह है कि बोलसोनारो धनशोधन के मामले से जुड़े हो सकते हैं। ब्राजील की एक अदालत उनके खिलाफ दर्ज तख्तापलट की कथित साजिश के मामले में सितंबर में अपना फैसला और सजा सुना सकती है। अगर अटॉर्नी जनरल की मंजूरी मिलती है तो पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ न्याय में बाधा डालने के आरोपों में एक और मुकदमा चलाया जा सकता है। बोलसोनारो ने नए आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि वह पहले कह चुके हैं कि राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा की मौजूदा सरकार उन्हें राजनीतिक रूप से प्रताड़ित कर रही है। बृहस्पतिवार को एपी को हासिल हुए दस्तावेजों में कहा गया है कि बोलसोनारो ने 50 लाख डॉलर हासिल किए, जिसमें से ज्यादातर धनराशि का कोई स्पष्ट हिसाब–किताब नहीं है। बोलासोनारो एक जनवरी 2019 से 31 दिसंबर 2022 तक राष्ट्रपति थे।

थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा ने राजशाही मानहानि मामले में बरी होने का दावा किया

थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा ने दावा किया कि शुक्रवार को एक अदालत ने उन्हें राजशाही की मानहानि के मामले में बरी कर दिया। उनके वकील ने भी फैसले की पुष्टि की, लेकिन बैंकॉक आपराधिक न्यायालय ने अभी कोई बयान जारी नहीं किया है। राजशाही को बदनाम करने से संबंधित कानून में तीन से 15 साल तक की जेल की सजा का प्रावधान है। यह दुनियाभर में इस तरह के सबसे कठोर कानूनों में से एक है और थाईलैंड में सरकार के आलोचकों को सजा देने के लिए इसका इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है।

कोलंबिया में कार बम विस्फोट, हेलीकॉप्टर हमले में 13 लोगों की मौत

कोलंबिया में एक कार में बम विस्फोट होने और एक पुलिस हेलीकॉप्टर पर हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गयी है। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने बृहस्पतिवार को हुई दोनों घटनाओं के लिए कोलंबिया के रेवोल्यूशनरी आर्म्ड फोर्सेज के बागियों को जिम्मेदार ठहराया है, जिन्हें आमतौर पर 'एफएआरसी' के नाम से जाना जाता है। पेट्रो ने 'एक्स' पर कहा कि हेलीकॉप्टर हमले में आठ पुलिस अधिकारी मारे गए। उन्होंने बताया कि विमान उत्तरी कोलंबिया के एंटिओक्विया क्षेत्र में कोका पत्ती की फसलों को नष्ट करने के लिए कर्मियों को लेकर जा रहा था। कोका पत्ती कोकीन के लिए कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल होती है। एंटिओक्विया के गवर्नर आंद्रेस जूलियन ने 'एक्स' पर कहा कि कोका पत्ती की फसलों के ऊपर से उड़ते समय एक ड्रोन ने हेलीकॉप्टर पर हमला किया। कोलंबिया के रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी से संकेत मिलता है कि हमले के कारण विमान में आग लग गई। इस बीच, दक्षिण–पश्चिमी शहर कैली के अधिकारियों ने बताया कि विस्फोटकों से भरे एक वाहन में एक सैन्य विमानन स्कूल के पास विस्फोट हो गया, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हो गए। पेट्रो ने शुरू में हेलीकॉप्टर हमले के लिए देश के सबसे बड़े मादक पदार्थ तस्करी गिरोह 'गल्फ क्लैन' को दोषी ठहराया था। एफएआरसी के बागी क्रांतिकारी और गल्फ क्लैन के सदस्य एंटिओक्विया में सक्रिय हैं। एफएआरसी ने 2016 में सरकार के साथ शांति समझौते को अस्वीकार कर दिया था।

अमेरिका ने बंद किया वाणिज्यिक ट्रक चालकों के लिए श्रमिक वीजा

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि उनका देश वाणिज्यिक ट्रक चालकों के लिए श्रमिक वीजा जारी करना बंद कर रहा है। रुबियो ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस कदम की घोषणा करते हुए कहा कि यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। उन्होंने कहा, ''अमेरिकी सड़कों पर बड़े ट्रैक्टर–ट्रेलर चलाने वाले विदेशी चालकों की बढ़ती संख्या अमेरिकी नागरिकों की जान को खतरे में डाल रही है और अमेरिकी ट्रक चालकों की आजीविका को नुकसान पहुंचा रही है।'' विदेश मंत्रालय ने इस सवाल का जवाब नहीं दिया कि अमेरिका में कितने विदेशी ट्रक चालक काम कर रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने पिछले कुछ महीनों में यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि ट्रक चालक अंग्रेजी बोलने और पढ़ने में दक्ष हों। परिवहन विभाग ने कहा कि इसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा में सुधार करना है, क्योंकि चालकों के अंग्रेज़ी बोलने या संकेत पढ़ने में असमर्थता के कारण कई सड़क हादसों में लोगों की जानें गयी हैं।

अफ्रीकी देश गिनी में भूस्खलन से 11 लोगों की मौत, 10 घायल

पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी की राजधानी कोनाक्री से 50 किलोमीटर दूर कोयाह प्रांत में भारी बारिश के कारण भूस्खलन में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी की ओर से बृहस्पतिवार को जारी एक बयान के अनुसार भूस्खलन बुधवार रात कोयाह प्रांत के ग्रामीण क्षेत्र मानेह में हुआ। स्थानीय निवासी कोने पेपे ने बताया, ''कल शाम करीब सात बजे बारिश हो रही थी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर.9190052 39332
.919450482227

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे गिरफ्तार, सरकारी धन के दुरुपयोग का है मामला

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को आज कोलंबो में आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) में चल रही जांच के संबंध में बयान दर्ज कराने के लिए पहुंचने पर गिरफ्तार कर लिया गया। समाचार एजेंसी एएफपी ने एक वरिष्ठ पुलिस जासूस के हवाले से बताया कि श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को कथित तौर पर सरकारी धन का दुरुपयोग करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि विक्रमसिंघे को सितंबर 2023 में एक ब्रिटिश विश्वविद्यालय में अपनी पत्नी के लिए आयोजित समारोह में भाग लेने के लिए लंदन की यात्रा के बारे में

पूछताछ के बाद हिरासत में लिया गया। उस समय वह राष्ट्राध्यक्ष थे। जाँचकर्ताओं का दावा है कि लंदन यात्रा, जिसे एक व्यापक विदेश दौरे में शामिल किया गया था, में कोई आधिकारिक कार्यक्रम शामिल नहीं थे, बल्कि इसका वित्तपोषण सरकारी धन से किया गया था। इस महीने की शुरुआत में, विक्रमसिंघे के पूर्व राष्ट्रपति सचिव समन एकनायके और पूर्व निजी सचिव सैंड्रा परेरा से इस यात्रा की व्यवस्था में उनकी भूमिका के बारे में पूछताछ की गई थी। कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट कोर्ट में बी–रिपोर्ट के माध्यम से पुलिस द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेज़ों के अनुसार, जाँच विक्रमसिंघे द्वारा कथित तौर पर वॉल्वरहैम्प्टन विश्वविद्यालय में अपनी पत्नी के पीएचडी स्नातक समारोह में शामिल होने के लिए की गई यात्रा से संबंधित है। यह कार्यक्रम 22 और 23 सितंबर, 2023 को होने की सूचना है। सीआईडी घ्ध्जाँच में दावा किया गया है कि पूर्व राष्ट्रपति के साथ दस लोगों का एक दल गया था, और इस यात्रा पर सरकार को लगभग 16.9 मिलियन रुपये का खर्च आया। यह भी खुलासा हुआ है कि विक्रमसिंघे उस समय क्यूबा और संयुक्त राज्य अमेरिका की आधिकारिक राजकीय यात्रा पर थे, और अमेरिका से ब्रिटेन गए थे, जिसे एक निजी यात्रा बताया जा रहा है। विक्रमसिंघे, जो 2022 से 2024 तक श्रीलंका के राष्ट्रपति रहे, हाल के वर्षों में गिरफ्तार होने वाले सबसे वरिष्ठ राजनीतिक व्यक्ति हैं। उनकी नज़रबंदी श्रीलंका के राजनीतिक अभिजात वर्ग के सदस्यों द्वारा भ्रष्टाचार और वित्तीय कदाचार की बढ़ती जाँच के बीच हुई है, जिनमें से कई पर लंबे समय से गबन और सार्वजनिक संसाधनों के दुरुपयोग के आरोप लगे हैं, जिनकी जवाबदेही बहुत कम है।

चुप्पी से धौंस जमाने वालों का हौसला बढ़ता है...भारत के लिए अमेरिका से भिड़ा चीन, कहा- हम देंगे साथ

भारत में चीनी राजदूत शू फेइहोंग ने कहा कि अमेरिका ने भारत पर 50: तक टैरिफ लगाया है और इसे और बढ़ाने की धमकी भी दी है। उन्होंने कहा कि चीन इसका कड़ा विरोध करता है, और कहा कि चुप्पी से धौंस जमाने वालों का हौसला बढ़ता है और चीन भारत के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत और चीन के बीच सहयोग न केवल उनके विकास के लिए, बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए भी आवश्यक हैरू इतने बड़े आकार के दो पड़ोसी देशों के लिए, एकता और सहयोग ही साझा विकास प्राप्त करने का एकमात्र तरीका है। हम एशिया में आर्थिक विकास के दोहरे इंजन हैं। भारत और

चीन की एकता से पूरे विश्व को लाभ होता है।

चीन भारत पर अमेरिकी टैरिफ का विरोध क्यों कर रहा है?

शू फेइहोंग ने कहा कि अमेरिका लंबे समय से मुक्त व्यापार से लाभान्वित रहा है, लेकिन अब टैरिफ को सौदेबाजी का हथियार मान रहा है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका ने भारत पर 50: तक टैरिफ लगाया है और इससे भी ज़्यादा टैरिफ लगाने की धमकी दी है। उन्होंने यह भी कहा कि चुप रहने से धौंस जमाने वालों का हौसला बढ़ेगा और उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि चीन भारत के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा।

चीनी बाज़ार में और ज़्यादा भारतीय सामान आएंगे

फेइहोंग ने कहा कि हम चीनी बाज़ार में और ज़्यादा भारतीय सामानों के आने का स्वागत करेंगे। आईटी, सॉफ़्टवेयर और बायोमेडिसिन के क्षेत्र में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त है, जबकि चीन इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण, बुनियादी ढाँचा निर्माण और नवीन ऊर्जा के क्षेत्र में तेज़ी से विस्तार देख रहा है। जू फेइहोंग ने गुरुवार को बीजिंग और नई दिल्ली के बीच रणनीतिक विश्वास और सहयोग को मज़बूत करने के महत्व पर ज़ोर दिया और इस बात पर ज़ोर दिया कि दोनों देश प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि साझेदार हैं और उन्हें बातचीत के ज़रिए मतभेदों को सुलझाना चाहिए।

भारत से मिली करारी चोट के बाद जैश-ए-मोहम्मद फिर खड़ा होने का कर रहा प्रयास

ई–वॉलेट के जरिये शुरू किया चंदा जुटाओ अभियान

आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रभावी और निरंतर कार्रवाई का सीधा असर अब साफ दिखाई दे रहा है। ऑपरेशन सिंदूर और इसके बाद के अभियानों ने यह साबित कर दिया है कि जब आतंकवाद को उसकी जड़ों में चोट पहुँचाई जाती है तो उसका तंत्र लड़खड़ा जाता है। आज स्थिति यह है कि पाकिस्तान आधारित आतंकवादी संगठन, जो कभी सीमा पार से खुलेआम आतंक फैलाते थे, अब जीवित रहने के लिए नए रास्ते खोजने पर मजबूर हो गये हैं। जैश–ए–मोहम्मद जैसे संगठनों का मस्जिदों के नाम पर चंदा इकट्ठा करना और डिजिटल वॉलेट्स के जरिए छिपी हुई फंडिंग करना उनकी कमजोरी को दर्शाता है। यह वह दौर है जहाँ आतंकवादी अब अपने असली एजेंडे को धार्मिक आवरण में ढकने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी यह चालें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से उजागर हो रही हैं। भारत की रणनीति यह रही है कि केवल आतंकी ठिकानों को नष्ट करने तक सीमित न रहा जाए, बल्कि उनके वित्तीय नेटवर्क, नेतृत्व और प्रचार तंत्र पर भी सीधा प्रहार किया जाए। यही कारण है कि आज ये संगठन नेतृत्व संकट, संसाधन संकट और वैचारिक असमंजस से जूझ रहे हैं। हम आपको बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन जैश–ए–मोहम्मद (श्रमड) को खास तौर पर गहरी चोट पहुँची है। भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए इस अभियान ने न केवल पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों के नेटवर्क को तहस–नहस किया था बल्कि उनके नेतृत्व और वित्तीय स्रोतों को भी कमजोर कर दिया था। ऑपरेशन सिंदूर के तहत जैश–ए–मोहम्मद के कई ठिकाने और प्रशिक्षण शिविर ध्वस्त कर दिए गए थे। इससे उनकी भर्ती और प्रशिक्षण गतिविधियों पर लगभग रोक लग गयी है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जैश के कई वरिष्ठ कमांडर मारे गए थे जिससे संगठन का शीर्ष नेतृत्व बिखर गया और आंतरिक समन्वय बिगड़ गया। इसके अलावा, भारतीय एजेंसियों ने आतंकियों के धन शोधन नेटवर्क और हवाला चौनलों पर करारी चोट की, इसके कारण श्रमड की फंडिंग लाइनों में बड़ी बाधा उत्पन्न हुई है। ताज़ा रिपोर्टों के अनुसार, जैश–ए–मोहम्मद ने अब 313 मस्जिदों के निर्माण के नाम पर 3.91 अरब पाकिस्तानी रुपये जुटाने का अभियान छेड़ा है। यह प्रयास लश्कर–ए–तैयबा की तरह विकेंद्रीकरण मॉडल को अपनाने का प्रतीक है, ताकि उनकी गतिविधियाँ एक ही जगह पर केंद्रित न रहें और आसानी से नष्ट न की जा सकें। बताया जा रहा है कि इसके लिए ग्लच्प्ें और ैंकंचंल जैसे मोबाइल भुगतान माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि फाउंडर मसूद अजहर का परिवार, विशेषकर उसका भाई तल्हा अल सैफ़ और बेटा अब्दुल्ला अजहर, इस फंडिंग नेटवर्क को चला रहे हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, 250 से अधिक डिजिटल अकाउंट सक्रिय हैं जिनसे पोस्टर, वीडियो और अजहर के पत्र जारी कर लोगों से चंदा माँगा जा रहा है। हम आपको बता दें कि थ्यदंदबपंस ।बजपवद जें थ्वतबम (थ्।ज्थ्) की बढ़ती सख्ती के चलते जैश–ए–मोहम्मद और प्ै अब खुले बैंकिंग चौनलों की बजाय डिजिटल वॉलेट और गुप्त तरीकों का सहारा ले रहे हैं। यह संकेत

है कि अंतरराष्ट्रीय दबाव ने इन संगठनों के लिए पारंपरिक फंडिंग को लगभग असंभव बना दिया है। बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को गंभीर झटका दिया है। आज जैश–ए–मोहम्मद जैसे संगठन जीवित रहने के लिए नए रास्ते खोज रहे हैं, लेकिन उनके प्रयास यह भी दर्शाते हैं कि वे हताशा और कमजोरी की स्थिति में पहुँच चुके हैं। भारत के लिए यह अवसर है कि वह अपनी आतंरिक सुरक्षा, सीमा प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को और मज़बूत करे ताकि ऐसे संगठनों का पुनरुत्थान संभव न हो सके। वैसे यह भी स्पष्ट है कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की आक्रामक नीति न सिर्फ सीमा पार आतंकी ढांचे को कमजोर कर रही है, बल्कि यह भी संदेश दे रही है कि भारत अब किसी भी तरह के आतंक से समझौता नहीं करेगा। आने वाले समय में यदि यह दबाव बना रहा, तो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का ढांचा और भी तेजी से बिखरना तय है।

लीबिया में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के पास रॉकेट हमला, कोई हताहत नहीं; सुरक्षा बलों ने बरामद किए लॉन्चर

काहिरा। संयुक्त राष्ट्र मिशन ने जानकारी दी कि लीबिया के पश्चिमी क्षेत्र में उसके मुख्यालय के पास एक रॉकेट गिरा। यह हमला उस समय हुआ जब संयुक्त राष्ट्र की राजदूत लीबिया की स्थिति की जानकारी सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को स्थिति के बारे में जानकारी दे रही थीं। मिशन के बयान के मुताबिक, गुरुवार देर रात यह रॉकेट लीबिया की राजधानी त्रिपोली के 12 किलोमीटर पश्चिम में स्थित जांजूर के इलाके में गिरा। हालांकि, इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। मिशन परिसर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। त्रिपोली के गृह मंत्रालय ने कहा कि रूस निर्मित एसपीजी रॉकेट के जरिए संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय को निशाना बनाने की कोशिश की गई, लेकिन यह एक घर पर गिरा और किसी को चोट नहीं आई। मंत्रालय इस बात की जांच कर रहा है कि रॉकेट किसकी ओर से दागा गया। सुरक्षा बलों ने एक वाहन से दो और इसी प्रकार के रॉकेट और उनका लॉन्चर भी बरामद किया है। यह हमला उस समय हुआ, जब संयुक्त राष्ट्र की राजदूत हन्ना टेटेह सुरक्षा परिषद को लीबिया की स्थिति पर जानकारी दे रही थीं। उसने लीबिया के लिए एक रोडमैप पेश किया। इस रोडमैप के अनुसार, एक 'नई एकीकृत सरकार' बनेगी, जो चुनाव कराने के लिए अनुकूल माहौल बनाएगी और शासन के जरूरी कामों को प्रभावी ढंग से संभालेगी।

इजरायल का प्लान 'कब्जा और वार्ता'! गाजा पर कब्जे को मंजूरी, युद्धविराम पर भी शुरू करेंगे बातचीत

इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को कहा कि वह गाजा शहर पर कब्ज़ा करने की सैन्य योजना को मंज़ूरी देंगे और साथ ही शेष बंधकों को रिहा करने के लिए तत्काल बातचीत फिर से शुरू करने का आदेश भी देंगे। गुरुवार को गाजा के निकट सैनिकों से बात करते हुए, नेतन्याहू ने कहा कि वह फ़िलिस्तीनी परिक्षेत्र के केंद्र में स्थित घनी आबादी वाले गाजा शहर पर कब्ज़ा करने, लगभग 10 लाख लोगों को जबरन विस्थापित करने और फ़िलिस्तीनी घरों को व्यवस्थित रूप से ध्वस्त करने की योजना को मंज़ूरी देने के लिए अभी भी तैयार हैं।

गाजा पर कब्जे की योजना को मंजूरी देंगे नेतन्याहू

वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक में नेतन्याहू द्वारा अंतिम मंजूरी दिए जाने के कुछ ही दिनों बाद गाजा शहर में व्यापक अभियान शुरू हो सकता है। हमास ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि वह अरब मध्यस्थों के युद्धविराम प्रस्ताव पर सहमत हो गया है और अगर इजराइल भी इसे स्वीकार कर लेता है, तो हमले को रोका जा सकता है। इजराइली सेना ने उत्तरी गाजा पट्टी में चिकित्सा अधिकारियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को विस्तारित अभियान से पहले दक्षिण की ओर जाने के लिए प्रोत्साहित करना शुरू कर दिया है।

युद्धविराम वार्ता को फिर शुरू करेंगे

सेना की योजना 60,000 रिजर्व सैनिकों को बुलाने और 20,000 अतिरिक्त सैनिकों की सेवा बढ़ाने की है। इस बीच, स्थानीय अस्पतालों के अनुसार, गाजा पट्टी में बृहस्पतिवार को इजराइली हमलों में कम से कम 36 फलस्तीनी मारे गए। दक्षिणी इजराइल में सेना की गाजा कमान के दौरे के समय नेतन्याहू ने कहा कि वह गाजा सिटी पर फिर से कब्जा करने की सेना की योजना को मंजूरी देंगे और उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे ''सभी बंधकों की रिहाई और इजराइल को स्वीकार्य शर्तों पर युद्ध समाप्त करने के लिए तत्काल बातचीत शुरू करें।'' उन्होंने कहा, ''ये दोनों बातें – हमास को हराना और हमारे सभी बंधकों को रिहा करना – एक साथ चलती हैं।

इस्राइल की हमास को चेतावनी, कहा- शर्ते नहीं मानी तो खत्म हो सकता है गाजा शहर

यरूशलम। युद्ध विराम वार्ता के बीच इस्राइल के रक्षा मंत्री ने हमास को चेतावनी दी है। इस्राइली रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने कहा अगर हमास इस्राइल की शर्तों को नहीं मानता है तो गाजा शहर को नष्ट किया जा सकता है। इस्राइल इस क्षेत्र में बड़े आक्रमण की तैयारी कर रहा है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सेना को गाजा शहर पर कब्जा करने के लिए अधिकृत करने की घोषणा के एक दिन बाद रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज़ ने चेतावनी दी कि गाजा का सबसे बड़ा शहर राफा और बेत हनून में बदल सकता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पिटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।